संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 280
पृष्ठ 8
बुधवार
02 जुलाई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- माता-पिता की एक गलती से टूटा...

विचार- धर्मोन्मादी राजनीति का नुकसान

खेल- दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम...

केंद्र ने कई योजनाओं को दी मंजूरी

रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को हरी झंडी, नई खेल नीति पर लगी मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार ने देश में रोजगार और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने 1.07 लाख करोड़ रुपये के एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इन्सेंटिव (ईएलआई) स्कीम को मंजूरी दे दी है। यह योजना खासतौर पर मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर फोकस करेगी। सरकार का मानना है कि इन योजनाओं से देश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूती मिलेगी और शोध को भी बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि इस योजना के दो हिस्से होंगे। पहला हिस्सा उन लोगों के लिए होगा जो पहली बार रोजगार शुरू कर रहे हैं। वहीं, दूसरा हिस्सा लगातार रोजगार देने वाली कंपनियों को समर्थन देने के लिए होगा। इसके अलावा सरकार ने 1 लाख करोड़ रुपये के रिसर्च डेवलेपमेंट और इनोवेशन स्कीम, राष्ट्रीय खेल नीति 2025 और परमकुडी–रामनाथपुरम नेशनल हाईवे के चार लेन बनाने के लिए 1,853 करोड़ रुपये की मंजूरी भी दी है। सरकार ने मंगलवार को रोजगार सृजन, कौशल बढ़ाने और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाको मंजूरी दी है। इस योजना के तहत 1.07 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिसका विशेष फोकस निर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र पर रहेगा। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। इस बारे में जानकारी सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। इस योजना का उद्देश्य दो वर्षों में देश में 3.5 करोड़ से अधिक नए रोजगार के अवसर सृजित करना है। इसके साथ ही, योजना के अंतर्गत पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा। प्रत्येक नए कर्मचारी के लिए 3,000 प्रति माह तक की प्रोत्साहन राशि दो वर्षों तक दी जाएगी।यह प्रोत्साहन उन नियोक्ताओं को मिलेगा जो ऐसे कर्मचारियों को नियुक्त करेंगे जिनका वेतन 1 लाख रुपए प्रतिमाह तक है। निर्माण क्षेत्र के लिए यह प्रोत्साहन तीसरे और चौथे वर्ष तक भी जारी रहेगा। सरकार ने देश में शोध, नवाचार और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए बड़े फैसले लिए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को जानकारी दी कि केंद्रीय कैबिनेट ने रिसर्च डेवलपमेंट और इनोवेशन (त्क्) स्कीम को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत देश में शोध को प्रोत्साहित किया जाएगा। इस योजना के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन वाली योजना को तैयार करने से पहले अनुसंधान राष्ट्रीय शोध फाउंडेशन (।छत्थ्) ने दुनिया के कई देशों के सफल शोध मॉडलों का अध्ययन किया। इनमें अमेरिका, इजरायल, सिंगापुर और जर्मनी जैसे देशों के मॉडल शामिल हैं। इन देशों में शोध से लेकर प्रोडक्ट बनाने तक की जो मजबूत व्यवस्था है, उसी से सीख लेते हुए भारत में यह नई योजना तैयार की गई है। सरकार का मानना है कि इससे देश में न केवल शोध को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि इनोवेशन के जरिए नए उद्योगों को भी मजबूती मिलेगी।

उत्तराखंड भाजपा के दूसरी बार अध्यक्ष बने महेंद्र भट्ट

राजीव बिंदल को हिमाचल प्रदेश बीजेपी की कमान

देहरादून, एजेंसी। भाजपा के राज्यसभा सांसद और पार्टी के मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट एक बार फिर भाजपा उत्तराखंड के अध्यक्ष चुने गए हैं। महेंद्र भट्ट के नाम की घोषणा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा की मौजूदगी में की गई। केंद्रीय राज्य मंत्री और चुनाव प्रभारी हर्ष मल्होत्रा ने घोषणा की कि सीएम पुष्कर सिंह धामी के साथ ही केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, बीजेपी उत्तराखंड अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, पूर्व सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, हरिद्वार सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत, पूर्व सांसद तीरथ सिंह रावत, टिहरी सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह, नैनीताल सांसद अजय भट्ट और राज्यसभा सांसद कल्पना सैनी को राष्ट्रीय परिषद के लिए चुना गया है। हिमाचल प्रदेश में राजीव बिंदल को एक बार फिर बीजेपी का अध्यक्ष चुना गया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने इसकी घोषणा की है। हिमाचल प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष के लिए चुनाव प्रक्रिया सोमवार सुबह 12 बजे प्रदेश भाजपा कार्यालय में शुरू हुई। चुनाव अधिकारी राजीव भारद्वाज ने सोमवार को बताया कि विपक्ष के नेता और भाजपा विधायक

दल के नेता जयराम ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और सभी भाजपा सांसदों तथा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मंत्री गोविंद ठाकुर और अन्य प्रदेश पदाधिकारियों की ओर से बिंदल के नाम के तीन नामांकन पत्र दाखिल किए गए। राजीव बिंदल 2002 से 2022 तक सोलन से तीन और नाहन से दो विधानसभा चुनाव जीतकर विधायक रहे, सोलन निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित होने के बाद और 2007 से 2012 तक प्रेम कुमार धूमल के नेतृत्व वाली सरकार में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री के रूप में भी कार्य किया। उन्हें 10 जनवरी, 2018 को सर्वसम्मति से 13वीं विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया और जनवरी 2020 तक इस पद पर रहे और कुछ समय के लिए राज्य भाजपा प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला और अप्रैल 2023 में फिर से पार्टी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

राष्ट्रपति ने कहा, मुझसे पहले कोई दूसरे शहर पढ़ने नहीं गया था

अब बहुत बदलाव आया– बेटियां कीर्तिमान रच रही

गोरखपुर, संवाददाता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि विश्वविद्यालय की नई सुविधाओं का लोकार्पण का खुशी महसूस हो रही है। मानव शरीर को दोषमुक्त बनाने में पंचकर्म की प्रक्रिया सही सिद्ध हुई। आशा करती हूं कि पंचकर्म केंद्र से अधिक लोग लाभान्वित होंगे। अपने बाल्यकाल के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि कक्षा सात के बाद आगे की पढ़ाई

के लिए 300 किमी दूर भुवनेश्वर गई। मुझसे पहले कोई बालिका दूसरे शहर में पढ़ने नहीं गई थी। आज बहुत बदलाव आ गया है। बेटियां नए कीर्तिमान रच रही है। लेकिन, आज भी बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बेटियां के लिए सुरक्षित आवास न होना उनकी उच्च शिक्षा में अवरोध पैदा करता है। शिक्षा ही सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी मार्ग है। न्यू गर्ल्स हॉस्टल इस राह में सराहनीय पहल है। ये कदम नारी सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। एनईपी में उच्च शिक्षा में निजी विश्वविद्यालयों का महत्वपूर्ण योगदान है। आज से लगभग 700 वर्ष पहले महाराणा प्रताप ने त्याग और पराक्रम का जो उदाहरण प्रस्तुत किया वह हमेशा आदर्श के रूप में रहेगा। इस विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थी प्रोफेशनल एजुकेशन में उत्कृष्ट हासिल करने के साथ आध्यात्मिकता और राष्ट्र प्रेम को अपने आचरण में लाएं। महामहिम मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में बने ऑडिटोरियम और विश्व स्तरीय पंचकर्म चिकित्सा केंद्र के लोकार्पण और न्यू गर्ल्स हॉस्टल के शिलान्यास के बाद संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि यह संस्था महंत दिग्विजयनाथ और अवेद्यनाथ की परंपरा से जुड़ा है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इसका लोकार्पण किया था। केवल चार वर्षों में ही इस संस्थान ने बड़ी उपलब्धि हासिल की हैं। विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित चिकित्सालयों में आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा विधि को शामिल किया गया है। यहां के आयुर्वेद चिकित्सालय में 200 बेड की सुविधा उपलब्ध है। पूर्वांचल स्वस्थ और समृद्ध होगा तो यूपी तेजी से आगे बढ़ेगा। यूपी बढ़ेगा तो पूरा भारत प्रगति की मार्ग ओर बढ़ेगा। विश्वविद्यालय परिसर में शाम 04रू45 बजे राष्ट्रपति का आगमन हुआ। उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। लोकार्पण एवं शिलान्यास के बाद विश्वविद्यालय का परिचयात्मक वीडियो क्लिप प्रस्तुत किया गया।

सनातन परंपरा में सेवा ही धर्म : राज्यपाल

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि यह साशाक्तिकरण के दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है। आज जब हम योग शिक्षा और स्वास्थ्य की बात कर रहे हैं तो यह विश्वविद्यालय उसमें तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य केवल पारंपरिक चिकित्सा तक सीमित नहीं है। यह आयुर्वेद, योग और विशिष्ट कौशल प्रदान कर रहा है। यह प्रयास सराहनीय है। और पूरे देश के लिए प्रेरक भी है। हमारी सनातन परंपरा में सेवा को धर्म माना गया है। एमबीबीएस की 100 सीटों की मान्यता मिलना बड़ी उपलब्धि है। विश्वविद्यालय में सिर्फ चिकित्सा ही नहीं शोध और नवाचार को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

जीएसटी के आठ साल पूरे, राहुल गांधी बोले-

यह आर्थिक अन्याय और कॉर्पोरेट भाईचारे का क्रूर हथियार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार द्वारा हर साल 1 जुलाई को मनाया जाने वाला जीएसटी दिवस, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के औपचारिक रूप से लागू होने की आठवीं वर्षगांठ का प्रतीक है। देश के सबसे बड़े कर सुधारों में से एक, जीएसटी की शुरूआत ने भारत की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को एक सुव्यवस्थित कर संरचना में एकीकृत करने में मदद की। जीएसटी के शुभारंभ के दिन का उपयोग जीएसटी ढांचे के बारे में जागरूकता और अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है। हालांकि, यह बात भी सही है कि कांग्रेस लगातार इसका विरोध करती रही है। आज एक बार फिर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसको लेकर सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि 8 साल बाद, मोदी सरकार का जीएसटी कोई कर सुधार नहीं है – यह आर्थिक अन्याय और कॉर्पोरेट भाईचारे का क्रूर हथियार है। इसे गरीबों को दंडित करने, एमएसएमई को कुचलने, राज्यों को कमजोर करने और प्रधानमंत्री के कुछ अरबपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए बनाया गया था। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि एक "अच्छा और सरल कर" का वादा किया गया था। इसके बजाय, भारत को अनुपालन का दुःस्वप्न और पाँच–स्लैब कर व्यवस्था मिली, जिसमें 900 से अधिक बार संशोधन किया गया है। यहाँ तक कि कारमेल पॉपकॉर्न और क्रीम बन भी इसके भ्रम के जाल में फँस गए हैं। उन्होंने आगे लिखा कि नौकरशाही की भूलभुलैया बड़े कॉरपोरेट्स के पक्ष में है, जो एकाउंटेंट की सेना के साथ इसकी खामियों को दूर कर सकते हैं, जबकि छोटे दुकानदार, एमएसएमई और आम व्यापारी लालफीताशाही में डूबे हुए हैं। जीएसटी पोर्टल दैनिक उत्पीड़न का स्रोत बना हुआ है। राहुल ने कहा कि भारत के सबसे बड़े रोजगार सृजक एमएसएमई को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। आठ साल पहले जीएसटी लागू होने के बाद से 18 लाख से अधिक उद्यम बंद हो गए हैं। नागरिक अब चाय से लेकर स्वास्थ्य बीमा तक हर चीज़ पर जीएसटी का भुगतान करते हैं, जबकि कॉरपोरेट सालाना 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक कर छूट का आनंद लेते हैं।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटों के दौरान समन्वित अभियानों में प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहली गिरफ्तारी इंफाल पूर्व के पोरोमपत पुलिस स्टेशन के अंतर्गत खुरई कोंगपाल थौबांडोंग क्षेत्र में हुई। पुलिस के अनुसार यह व्यक्ति घाटी क्षेत्रों में भूमि विवाद, महिलाओं के खिलाफ अपराध सहित आपराधिक मामलों और ऋण वसूली का निपटारा करने वाली स्वयंभू ष्कंगारू अदालतष चलाने में शामिल था। एक अलग अभियान में सुरक्षा कर्मियों ने थौबल जिले के एक प्राथमिक विद्यालय के पास लीरोंगथेल पित्रा से एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि तीसरे उग्रवादी को थौबल पुलिस स्टेशन के अंतर्गत चरंगपत ममांग लेईकाई में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि तीनों उग्रवादी फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं और जांच जारी है। अधिकारियों ने आतंकवाद विरोधी प्रयासों को तेज करने और क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

प्रधानमंत्री के विदेश दौरे से पहले कांग्रेस ने साधा निशाना, कहा- प्रमुख मुद्दों से भाग रहे हैं पीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 से 9 जुलाई तक पांच देशों की यात्रा पर जाएंगे। प्रधानमंत्री का आठ दिवसीय दौरा, जो 9 जुलाई तक चलेगा, दो महाद्वीपों को कवर करेगा और इसमें घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्राएँ शामिल हैं, जिसका समापन 6 और 7 जुलाई को रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में होगा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विदेश दौरे को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि वह मणिपुर हिंसा समेत देश को आंदोलित करने वाले प्रमुख मुद्दों से भाग रहे हैं। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री की पांच देशों की विदेश यात्रा शुरू

होने से पहले उन पर निशाना साधा। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, जब हालात कठिन हो जाते हैं, तो स्व–घोषित कठिनाइयां भी बढ़ जाती हैं। सुपर प्रीमियम फ़्रीक्वेंट फ़्लायर प्रधानमंत्री पांच देशों की आठ दिवसीय यात्रा पर हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री देश को आंदोलित करने वाले कम से कम चार मुद्दों से भाग रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, मणिपुर में डबल इंजन के पटरी से उतरने और सामान्य जनजीवन पूरी तरह से तबाह होने के बाद से (प्रधानमंत्री ने) कभी वहां का दौरा नहीं किया। रमेश ने दावा किया कि रक्षा अधिकारियों का खुलासा चौंकाने वाला है कि प्रधानमंत्री के फैसलों के कारण ऑपरेशन सिंदूर के पहले दो दिनों में भारत को हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगातार दावा किया गया कि उन्होंने व्यापार समझौते का उपयोग करके भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराया। 70 दिनों के बाद भी पहलगाम हमले के आतंकवादियों को न्याय के कटघरे में नहीं लाया जा सका है। यह पिछले दस वर्षों में मोदी की सबसे लंबी कूटनीतिक यात्रा होगी। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी का यह दूसरा पाँच देशों का दौरा है। पिछली ऐसी विदेश यात्रा 2016 में हुई थी, जब उन्होंने एक ही बार में संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको, स्विट्जरलैंड, अफगानिस्तान और कतर का दौरा किया था।

ओडिशा : भाजपा ने पांच नेताओं को किया निलंबित, लगा है ये बड़ा आरोप

ओडिशा, एजेंसी। ओडिशा भारतीय जनता पार्टी ने एक त्वरित अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए सोमवार को भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी) कार्यालय में हुई हिंसा में कथित संलिप्तता के बाद पांच पार्टी नेताओं को मंगलवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल ने नगरसेवक अपरूप नारायण राउत, रश्मी रंजन महापात्र, देबाशीष प्रधान, सचिकांत स्वैन और संजीव मिश्रा को निलंबित कर दिया। भाजपा ने यह कदम बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त रत्नाकर साहू को सोमवार को उनके कार्यालय से कथित तौर पर घसीट कर ले जाने और बदमाशों के एक समूह द्वारा उन पर हमला करने के बाद उठाया है। ओडिशा प्रशासनिक सेवा संघ ने सोमवार को वरिष्ठ ओएएस अधिकारी पर कथित हमले के विरोध में

अपने सदस्यों से मंगलवार से 'सामूहिक अवकाश' पर जाने का आह्वान किया है। हालांकि, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से आश्वासन मिलने के बाद एसोसिएशन ने अपना 'सामूहिक अवकाश' विरोध स्थगित करने का फैसला किया है।

पीएम मोदी की 10 साल में सबसे लंबी विदेश यात्रा, 8 दिनों में 5 देशों से मजबूत करेंगे कूटनीतिक संबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 से 9 जुलाई तक पांच देशों की यात्रा पर जाएंगे, जिसमें सुरक्षा सहयोग, आतंकवाद से निपटने और वैश्विक दक्षिण के साथ संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा। इस यात्रा में घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया में रुकना शामिल है, जिसका समापन 6 और 7 जुलाई को रियो डी जेनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में होगा। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ

भारत की वैश्विक कूटनीतिक पहुंच तेज हो गई है, जिसमें 26 नागरिकों की जान चली गई थी। जवाब में, भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया। आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान, भारत से नेताओं के संयुक्त घोषणापत्र में हमले की कड़ी और एकीकृत निंदा करने की उम्मीद है।

मोदी की सबसे लंबी कूटनीतिक यात्रा

यह पिछले दस वर्षों में मोदी की सबसे लंबी कूटनीतिक यात्रा होगी। प्रधानमंत्री का आठ दिवसीय दौरा, जो 9 जुलाई तक चलेगा, दो महाद्वीपों को कवर करेगा और इसमें घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्राएँ शामिल हैं। विदेश मंत्रालय (डम्।) के अनुसार, ब्राजील के अलावा, मोदी यात्रा के दौरान घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी का यह दूसरा पाँच देशों का दौरा है।

यात्रीगण ध्यान दें... दिल्ली का 10, मुंबई का 30 तो बंगलूरू 45 रुपये बढ़ गया किराया

प्रयागराज। प्रयागराज से मुंबई के लिए एसी क्लास की सभी श्रेणियों में यात्रियों को 30 रुपये अतिरिक्त देने पड़ेंगे। वहीं बंगलूरू के लिए वर्तमान में लग रहे किराये में 45 रुपये तक की बढ़ोतरी होगी। ट्रेनों में लंबी दूरी का सफर एक जुलाई से महंगा होने जा रहा है। मंगलवार से टिकट बुक करने के लिए यात्रियों को अधिक पैसे खर्च करने पड़ेंगे। नए नियमों के अनुसार, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों में नॉन–एसी क्लास के किराये में एक पैसे और सभी एसी क्लास के किराये में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। यानी आपको रेल टिकट खरीदने के लिए अपनी जेब अधिक ढीली करनी पड़ेगी। प्रयागराज से मुंबई के लिए एसी क्लास की सभी श्रेणियों में यात्रियों को 30 रुपये अतिरिक्त देने पड़ेंगे। वहीं बंगलूरू के लिए वर्तमान में लग रहे किराये में 45 रुपये तक की बढ़ोतरी होगी। हालांकि, रेलवे ने उन यात्रियों को राहत दी है, जो मासिक सीजन टिकट पर यात्रा करते हैं। रेलवे ने दैनिक यात्रियों के हित में उपनगरीय ट्रेनों और मासिक सीजन टिकटों के किराये में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

इसके अलावा 500 किलोमीटर तक साधारण द्वितीय श्रेणी के किराये में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। इससे अधिक दूरी के लिए टिकट की कीमतों में आधा पैसा प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की गई है। सोमवार की शाम रेलवे बोर्ड की ओर से नोटिफिकेशन जारी किया गया है। सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम (क्रिस) में सोमवार की देर शाम तक इसे फायर नहीं किया जा सका था। प्रयागराज से मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस जाने वाली काशी एक्सप्रेस की बात करें तो वर्तमान में इसके थर्ड एसी से वहां का किराया 1545 रुपये है जो अब बढ़कर 1575 रुपये हो जाएगा। इसी तरह नई दिल्ली जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस के थर्ड एसी में 1020 की जगह 1030 रुपये चुकाने होंगे। फिलहाल क्रिस में किराया फायर होने का लोगों को इंतजार है। उसके बाद ही वास्तविक तस्वीर सामने आएगी।

ग्रीष्मकालीन छुट्टी के बाद पूर्णरूप से खुलेगा HC, कई अहम केसों की होगी सुनवाई

प्रयागराज। सबसे प्रमुख मुकदमा श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद का है, जिसमें चार जुलाई को सुनवाई होनी है। इसके साथ ही एक जुलाई को स्वरूपरानी अस्पताल में दुर्व्यवस्था मामले में भी सुनवाई होनी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद मंगलवार से पूर्णरूप से खुल रहा है। कई महत्वपूर्ण मुकदमों को सुनवाई जुलाई महीने में होनी है। सबसे प्रमुख मुकदमा श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद का है, जिसमें चार जुलाई को सुनवाई होनी है। इसके साथ ही एक जुलाई को स्वरूपरानी अस्पताल में दुर्व्यवस्था मामले में भी सुनवाई होनी है। इस मामले में न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा को कोर्ट में उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

वहीं, सात जुलाई को गैंगस्टर के दुरुपयोग मामले में डीएम, एसएसपी व एसएचओ को तलब किया गया है। 18 जुलाई को कुंभ मेले में भगदड़ में मृतक परिवार को मुआवजा मामले में सुनवाई होना है। कोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है। इसके साथ ही अन्य कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई जुलाई महीने में होनी है।

यूपी बोर्ड: क्लास शुरू होते ही स्टूडेंट-टीचरों को दर्ज करानी होगी ऑनलाइन उपस्थिति, मोबाइल एप से लगेगी हाजिरी

प्रयागराज। एप पर कक्षा नौवीं से 12वीं के विद्यार्थियों व शिक्षकों को रोजाना उपस्थिति दर्ज करानी होगी। सोमवार को बोर्ड की ओर से इसके लिए दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। यूपी बोर्ड के सभी राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त और स्ववित्तपोषित विद्यालयों में क्लास शुरू होते ही अध्यापकों और विद्यार्थियों को ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करानी होगी। इसके लिए बोर्ड ने यूपीएमएसपी अटेंडेंस एप या बोर्ड की वेबसाइट नचउेच.मकन.पद के होमपेज पर उपलब्ध लिंक पर जाकर उपस्थिति दर्ज करने का विकल्प दिया है। वहीं, शिक्षक व विद्यार्थी अपनी उपस्थिति विद्यालय परिसर में ही दर्ज करा सकेंगे। इस एप पर कक्षा नौवीं से 12वीं के विद्यार्थियों व शिक्षकों को रोजाना उपस्थिति दर्ज करानी होगी। सोमवार को बोर्ड की ओर से इसके लिए दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने कहा कि प्रधानाचार्य पहली क्लास में ही लिंक पर जाकर लॉग इन कर उपस्थिति दर्ज कर सकते हैं। उपस्थिति पोर्टल पर प्रत्येक कक्षा में पंजीकृत छात्र–छात्राओं के लिए सेक्शन ए, बी,सी,डी,ई आवंटित है। विद्यार्थियों अथवा शिक्षकों के अवकाश पर होने की स्थिति में अवकाश के प्रकार और कारण को भी दर्ज करना होगा। उन्होंने कहा कि व्यवस्था विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, डाटा संकलन में पारदर्शिता व शैक्षणिक अनुशासन को सुदृढ़ करने के लिए यह व्यवस्था लागू की गई है।

बवाल में पुलिस वाहनों से दंगा नियंत्रण उपकरण भी लूट ले गए उपद्रवी, चौकी प्रभारी, एसीपी पर भी हमला

प्रयागराज। करछना बवाल के दौरान न सिर्फ तोड़फोड़ और आगजनी हुई, बल्कि उपद्रवी पुलिस के उपकरण और अन्य सामान भी लूट ले गए। नैनी थाना प्रभारी के वाहन से दंगा नियंत्रण उपकरण उठा ले गए तो डायल 112 की गाड़ी से एमडीटी के अलावा इवेंट रजिस्टर व सीयूजी मोबाइल समेत अन्य सामान उपद्रवी लूट ले गए। करछना बवाल के दौरान न सिर्फ तोड़फोड़ और आगजनी हुई, बल्कि उपद्रवी पुलिस के उपकरण और अन्य सामान भी लूट ले गए। नैनी थाना प्रभारी के वाहन से दंगा नियंत्रण उपकरण उठा ले गए तो डायल 112 की गाड़ी से एमडीटी के अलावा इवेंट रजिस्टर व सीयूजी मोबाइल समेत अन्य सामान उपद्रवी लूट ले गए। करछना थाना प्रभारी अनूप सरोज की ओर से उक्त जानकारी अफसरों को भी दी गई है। उन्होंने बताया कि बवाल के दौरान नैनी, औद्योगिक क्षेत्र थाना प्रभारी और डायल 112 की गाड़ी में तोड़फोड़ की गई। इस दौरान उपद्रवियों ने नैनी थाना प्रभारी के वाहन में रखे दंगा नियंत्रण उपकरण जैसे पांच बॉडी प्रोटेक्टर, पांच हेलमेट, पांच डंडे, एक डायरी, एक पी–कैप और दो टॉर्च समेत अन्य सामान लूट लिए। इसी तरह डायल 112 की गाड़ी से एमडीटी व उसके चार्जर, सीयूजी मोबाइल नंबर वाले फोन समेत अन्य सामान लूटे गए। इसमें दंगा नियंत्रण उपकरण, दो कैनसील्ड, दो बॉडी प्रोटेक्टर, एक डंडा, एक हेलमेट मय बैग, इवेंट रजिस्टर, गाड़ी का जैक, रिंच, रॉड, बैग एक, क्राइम सीन टेप, कैंची, खंजर कीला, खंजर कीला टोप, एविडेंस स्टैंड, स्टैंड प्लेट, टार्च, रस्सी, फर्स्ट एड किट, रिफ्लेक्टर जैकेट आदि शामिल है।

सुनियोजित था प्रयागराज बवाल... बोतलों में पेट्रोल लेकर आए थे उपद्रवी

प्रयागराज। प्रयागराज में हुए बवाल के बाद हुई जांच में बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। करछना बवाल सुनियोजित था। उपद्रवी बोतलों में पेट्रोल लेकर पहुंचे थे।

प्रयागराज के करछना में हुए उपद्रव को लेकर पुलिस की जांच में बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस का दावा है कि यह बवाल पूर्व नियोजित था और हमलावर पूरी तैयारी के साथ पहुंचे थे। उनके पास लाठी–डंडों और ईंट पत्थरों के अलावा पेट्रोल से भरी बोतलें भी थीं, जिन्हें मौके पर पेट्रोल बम की तरह इस्तेमाल किया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, करछना थाना प्रभारी अनूप सरोज की ओर से उच्चाधिकारियों को भेजी गई गोपनीय रिपोर्ट में स्पष्ट उल्लेख है कि हमलावर सुनियोजित तरीके से आए थे। हिंसा की मंशा साफ थी, क्योंकि वे सिर्फ पारंपरिक हथियारों से नहीं, बल्कि पेट्रोल जैसी ज्वलनशील सामग्री के साथ आए थे, जिससे आगजनी को अंजाम दिया जा सके।

सूत्रों का कहना है कि बवाल में शामिल कुछ युवकों को घटना से कुछ घंटे पहले करछना क्षेत्र के ही एक पेट्रोल पंप पर देखा गया था। वहीं से वे बोतलों में पेट्रोल भरकर पहले हनुमानपुर मोरी और फिर भड़ेवरा बाजार पहुंचे।

दोपहिया वाहनों पर पेट्रोल छिड़ककर लगाई आग

जैसे ही बवाल शुरू हुआ, उन्होंने पहले तोड़फोड़ की और फिर राहगीरों के छोड़े गए दोपहिया वाहनों पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। आशंका यह भी है कि इसमें शामिल युवकों को किसी विशेष रणनीति के तहत प्रशिक्षित या तैयार किया गया था।

पुलिस ने बढ़ाया जांच का दायरा

स्थानीय पुलिस ने मिले इनपुट के आधार पर अब जांच का दायरा बढ़ा दिया को है। हमलावरों की पहचान और उनकी पृष्ठभूमि खंगाली जा रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि उन्हें इस स्तर की तैयारी किसने कराई और उनके पीछे कौन लोग हैं।

फिलहाल घटना में दर्ज मुकदमे में गंभीर धाराएं जोड़ी गई हैं और कुछ संदिग्धों की गिरफ्तारी भी जल्द संभव है। पुलिस के अनुसार, सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय चश्मदीदों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उपद्रवियों की पहचान की जा रही है।

करछना बवाल में 54 नामजद समेत 604 पर केस दर्ज, 75 गिरफ्तार

प्रयागराज के करछना में हुए बवाल के मामले में 54 नामजद समेत कुल 604 लोगों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें से 75 को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार लोगों में 52 नामजद आरोपी हैं जबकि 23 अन्य आरोपी वह हैं, जिन्हें वीडियो फुटेज से चिह्नित किया गया है।

आरोपियों में भीम आर्मी के तहसील अध्यक्ष और उपाध्यक्ष भी शामिल

आरोपियों में भीम आर्मी के करछना तहसील अध्यक्ष और उपाध्यक्ष भी शामिल हैं, जिनकी तलाश जारी है। इससे पहले पांच थाना क्षेत्रों के 18 गांवों में रात भर चली कार्रवाई के दौरान आरोपियों को धरपकड़ में पुलिस जुटी रही।

जांच में बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा

करछना थाना प्रभारी अनूप सरोज की ओर से सोमवार की सुबह सात बजे करछना थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया गया। इसमें आरोप लगाया गया है कि यह पूरा बवाल षडयंत्र के तहत कराया गया।

भीम आर्मी के तहसील अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने जमा की भीड़

भीम आर्मी यमुनापार के करछना तहसील अध्यक्ष अभय सिंह उर्फ सोनू और तहसील उपाध्यक्ष प्रतीक देव वर्मन ने अन्य साजिशकर्ताओं संग मिलकर लगभग 600 उपद्रवियों को भड़ेवरा बाजार चौराहे पर एकत्रित किया।

फिर रामपुर से कोहड़ार जाने वाले एनएच 35 पर जाम लगा दिया। समझाने पर उपद्रवियों ने पुलिस टीम पर हमला किया और राहगीरों के साथ मारपीट करते हुए उनके वाहनों के साथ ही पुलिस की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की।

कई दोपहिया वाहनों में आग भी लगा दी गई। इससे पहले पुलिस ने देर रात तक वीडियो व सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की उपद्रवियों की पड़ताल की। स्थानीय लोगों से पूछताछ करते हुए बवाल में शामिल 52 लोगों को चिह्नित किया गया।

पुलिस का दावा है कि जांच में यह बात सामने आई है कि भीम आर्मी के करछना तहसील के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व अन्य लोगों की साजिश से यह बवाल कराया गया।

बवाल में शामिल 52 नामजद आरोपी कोर्ट की अनुमति से जेल भेज दिए गए हैं। 23 अन्य आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं जिन्हें मंगलवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई हैं।–विवेक चंद्र यादव, डीसीपी यमुनानगर

पैसों का लालच, धर्मांतरण और फिर आतंकी बनाने की ट्रेनिंग, कई राज्यों की लड़कियां निशाने पर

प्रयागराज। पीड़िता की मां ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि आठ मई को उसके गांव की दूसरे धर्म की महिला दरकशा बानो उनकी 15 वर्षीय बेटी को बहला–फुसलाकर साथ ले गई। उसे पैसों का लालच भी दिया गया। पीड़िता ने बताया कि केरल में उसकी कुछ अज्ञात और संदिग्ध लोगों से मुलाकात कराई गई। उन्होंने पहले उसे रुपयों का लालच दिया और फिर जबरन धर्मांतरण कराया। इसके बाद उस पर जिहादी ट्रेनिंग के लिए दबाव बनाने लगे।

प्रयागराज के फूलपुर में 15 वर्षीय किशोरी को बहला–फुसलाकर केरल ले जाने और आतंकवादी गतिविधियों में धकेलने की साजिश का खुलासा हुआ है। आरोप है कि किशोरी को केरल ले जाकर जबरन धर्मांतरण कराया गया। फिर जेहादी प्रशिक्षण में धकेलने का प्रयास किया गया। किसी तरह आरोपियों के चंगुल से बचकर निकली किशोरी ने मां को आपबीती सुनाई। 28 जून को फूलपुर थाने में मां की तहरीर पर केस दर्ज कर पुलिस ने साजिश में शामिल युवक और एक महिला को गिरफ्तार किया है। पीड़िता की मां ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि आठ मई को उसके गांव की दूसरे धर्म की महिला दरकशा बानो उनकी 15 वर्षीय बेटी को बहला–फुसलाकर साथ ले गई। उसे पैसों का लालच भी दिया गया। बेटी को लेकर आरोपी दरकशा फूलपुर फ्लाईओवर के पास पहुंची, जहां पहले से खड़े मोहम्मद कैफ नामक युवक ने उन्हें बाइक से प्रयागराज जंक्शन पहुंचाया। रास्ते में आरोपी युवक ने बेटी के साथ छेड़खानी भी की। फिर बेटी को लेकर आरोपी दरकशा दिल्ली पहुंची और फिर केरल के त्रिशूर ले गई।

पीड़िता ने बताया कि केरल में उसकी कुछ अज्ञात और संदिग्ध लोगों से मुलाकात कराई गई। उन्होंने पहले उसे रुपयों का लालच दिया और फिर जबरन धर्मांतरण कराया। इसके बाद उस पर जिहादी ट्रेनिंग के लिए दबाव बनाने लगे। इससे वह घबरा गई। किसी तरह वहां से भागकर त्रिशूर रेलवे स्टेशन पहुंची और फोन कर मां को आपबीती सुनाई। इसी दौरान केरल पुलिस की नजर पड़ी तो उसे बाल कल्याण समिति के हवाले कर दिया गया।

केरल बाल कल्याण समिति की ओर से सूचना मिलने पर मां ने फूलपुर थाने में शिकायत दी। इस पर पुलिस ने बाल कल्याण समिति से संपर्क किया और किशोरी की सकुशल वापसी कराई। साथ ही मां की तहरीर पर आरोपी दरकशा बानो और मोहम्मद कैफ को गिरफ्तार कर लिया गया। उधर, पीड़िता को वन स्टॉप सेंटर में अस्थायी रूप से दाखिल कराया गया।

आरोपी दरकशा का दोस्त ताज भी पुलिस के रडार पर

प्रयागराज पुलिस की रडार पर ताज नाम का युवक भी है, जो आरोपी दरकशा का दोस्त बताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दरकशा के मोबाइल फोन की जांच पड़ताल में पता चला है कि उसने प्रयागराज से केरल पहुंचने तक ताज से कई बार बात की है। वह मूल रूप से तो फूलपुर का रहने वाला है, लेकिन पिछले कई वर्षों से केरल में है। पुलिस ने उसके बारे में जानकारी केरल पुलिस से भी साझा की है।

किशोरी पर जिहादी ट्रेनिंग का बनाया दबाव, गरीब वर्ग की लड़कियों को बनाते थे निशाना

प्रयागराज से लेकर केरल समेत कई राज्यों में फैला आरोपियों का जाल, देशविरोधी गतिविधियों के लिए नाबालिगों को करते हैं तैयार

शादी का झांसा देकर धर्मांतरण के जरिए गरीब वर्ग की लड़कियों को निशाना बनाने की करते हैं साजिश।

पुलिस ने प्राथमिक जांच के बाद दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, जांच के लिए तीन टीमें गठित।

किशोरी का जबरन धर्मांतरण कराने के बाद जिहादी ट्रेनिंग का दबाव बनाया।

देशविरोधी गतिविधियों के लिए तैयार करते थे नाबालिग बच्चियां

यह गिरोह दूसरे समुदाय की नाबालिग बच्चियों को बहला–फुसलाकर उनका धर्मांतरण कराता है। फिर उन्हें देशविरोधी गतिविधियों के लिए तैयार करता है। फिलहाल गिरोह के नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं। सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है।

केरल, यूपी समेत कई राज्यों में फैला गिरोह का नेटवर्क

डीसीपी गंगानगर जोन कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि प्रारंभिक छानबीन में इस पूरी साजिश के पीछे एक संगठित गिरोह का हाथ होने की बात सामने आई है। मामले में गिरफ्तार आरोपी दरकशा बानो और मो. कैफ संगठित व रेडिकल गिरोह से जुड़े हैं। यह एक अंतरराज्यीय गिरोह है, जिसका नेटवर्क केरल समेत अन्य राज्यों में फैला है।

तेजी से बढ़ रहा गंगा व यमुना का जल स्तर

प्रयागराज। बीते 24 घंटे में फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 14 सेंटीमीटर, छतनाग में 228 सेंटीमीटर और नैनी में यमुना नदी का जलस्तर 175 सेंटीमीटर बढ़ा है। हालांकि खतरे का निशान अभी भी करीब 10 मीटर दूर है।

पिछले 10 दिनों से हो रही बारिश का असर सगम क्षेत्र में दिखने लगा है। जिसके चलते लगातार गंगा और यमुना नदियों के जलस्तर में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। बीते 24 घंटे में फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 14 सेंटीमीटर, छतनाग में 228 सेंटीमीटर और नैनी में यमुना नदी का जलस्तर 175 सेंटीमीटर बढ़ा है। हालांकि खतरे का निशान अभी भी करीब 10 मीटर दूर है। जिसके चलते तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की परेशानी बढ़ गई है। इसके अलावा गंगा और यमुना का पानी तीर्थ पुरोहितों के तख्ते तक पहुंच गया है। जिसकी वजह से तीर्थ पुरोहितों ने पीछे हटना शुरू कर दिया है।

वहीं दूसरी तरफ नदियों के जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी को देखते हुए प्रशासन ने अपनी तरफ से तैयारियां तेज कर दी हैं। बक्सी बांध, एसटीपी रिंग, नागवासुकी, बंधे पर कई जगह बालू की खाली और भरी बोरिया रखवाई गई है। इस तरह से लगातार विभाग की तरफ से निचले इलाकों में चेकिंग अभियान चलाए जा रहे। इसके साथ ही तटीय और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को अलर्ट जारी कर दिया गया है।

राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा सामाजिक एकता का प्रतीक: प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी

गांधीनगर पुलिस चौकी पर हुआ मासिक सामूहिक राष्ट्रीय गान, मेहनतकश मोची और चौकी इंचार्ज सम्मानित

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने अपनी टीम के साथ मंगलवार को मासिक सामूहिक राष्ट्रीय गान का आयोजन कर लोगों को सबसे पहले देश, का संदेश देने का काम किया। उन्होंने लोगों को परिश्रम के सहारे सफलता के लिए प्रेरित करते हुए मेहनत मजदूरी करने वाले दिव्यांग मोची के साथ ही समाजहित में सराहनीय कार्य करने वाले चौकी इंचार्ज को भी सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज हम सभी को अनेकता में एकता की प्रेरणा देता है। यही कारण है कि हम तिरंगे के नीचे हर माह सभी लोगों को आमंत्रित कर समाज को जोड़ने का काम कर रहे हैं।प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने मीडिया कर्मियों से बातचीत में कहा कि हमारी सामाजिक संस्था द्वारा मानवता, राष्ट्रीय एकता और देश के सैनिकों तथा महापुरुषों के बलिदान को समर्पित मासिक सामूहिक राष्ट्रीय गान कार्यक्रम कर रही है। आज यह कार्यक्रम भोपा रोड गांधीनगर पुलिस चौकी के पास हनुमान मंदिर पर किया गया। यहां पर सभी लोगों ने एकत्र होकर राष्ट्रवाद की भावना के साथ अपनी प्रतिभागिता करते हुए मानवता और एकता का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि आज का यह कार्यक्रम हमने मानवता को समर्पित किया है। इसी के चलते हनुमान मंदिर के पास करीब 25 बरस से मोची का कार्य करने वाले दिव्यांग सुन्दर लाल जाटव और गांधीनगर पुलिस चौकी इंचार्ज एसआई राहुल चौधरी को पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। उन्होंने समाज को संदेश देते हुए कहा कि धर्म और जाति से पहले देश है और यही प्रचार हम इस कार्यक्रम के माध्यम से कर रहे हैं। इसमें हमें लगातार सभी वर्गों के लोगों का सहयोग भी प्राप्त हो रहा है। यहां पर सहरावत खाप के प्रदेश संयोजक वीर मास्टरजी ने कहा कि शहीदों के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए यह कार्यक्रम सराहनीय है। ऐसे कार्यक्रम सामाजिक एकता के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। इस दौरान मुख्य रूप से सहरावत खाप के चौधरी संजीव सहरावत, भारतवीर प्रधान, भारत लोक सेवक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केपी चौधरी, प्रदेश संयोजक वीर मास्टर जी, चन्द्रवीर सहरावत, जयदेव पंवार, बॉबी सहरावत, अश्वनी सहरावत, सतपाल सहित अन्य सैंकड़ों लोग मौजूद रहे।

भोपाल शहर समता विचार भोपाल इकाई की काव्य गोष्ठी सम्पन्न

भोपाल। शहर समता विचार मंच भोपाल इकाई की महिला काव्यगोष्ठी सुनीता शर्मा सिद्धि की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि सरोज लता सोनी विशिष्टअतिथि उमा मिश्रा प्रीति एवं आशा जाकड़ स्वागत उद्बोधन आशा सक्सैना काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण अतिथि द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति संध्या शर्मा द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन साधना शुक्ला ने किया। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। आशा श्रीवास्तव, सुधा दुबे , साधना श्रीवास्तव,सुषमा पटेल, सुषमा श्रीवास्तव सरोज लता सोनी, अनुराधा यादव, चित्रा घोटे,वंदना पाठक ,सीमातिवारी, बालारानी वर्मा, अर्चना शर्मा मंजू गुप्ता,विमला विश्वकर्मा, रानी सिंगोरिया, अंतमें धन्यवाद ज्ञापन अर्चना शर्मा द्वारा किया गया।

ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय जागरूकता एवं जन सुरक्षा योजना शिविर संपन्न

प्रतापगढ़। जनसुरक्षा योजनाओं के संस्तृप्तिकरण हेतु वित्त मंत्रालय एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, बैंकों के सहयोग से, आगामी तीन महीनों में जागरुकता अभियान चला रहा है। 1जुलाई से 30 सितंबर तक, जनपद के प्रत्येक ग्राम पंचायत मैं वित्तीय साक्षरता कैम्प आयोजित कर, जन सामान्य को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा एवं अटल पेंशन

योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाएगा। अभियान का प्रारंभ, मांधाता क्षेत्र के ग्राम सहजनपुर एवं भदोही पंचायत भवन में एलडीएम गोपाल शहर झा की अध्यक्षता में साक्षरता शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीण जन, कृषक, महिला समूह और महिला उद्यमियों को, शासन द्वारा संचालित जनसुरक्षा योजनाओं, बैंक खातों में नामांकन सुविधा के लाभ तथा साइबर क्राइम से बचाव के उपायों से अवगत कराया गया। उपस्थित जनता को प्रेरित किया गया कि वे सपरिवार भारत सरकार की बीमा एवं पेंशन जैसी अत्यंत सरल, सुगम और सस्ती बीमा योजनाओं से जुड़ें। इस अवसर पर क्षेत्र की बैंक सखी, बड़ौदा रोजगार विकास संस्थान के निदेशक रवि रंजन, वित्तीय साक्षरता एवं ऋण समन्वयक शिशिर खरे, अवोक इंडिया के प्रतिनिधि शिवम श्रीवास्तव, मनीषा सिंह, अमृता दुबे, कु सोनी, शशि सिंह आदि उपस्थित रहे।

सृष्टि राज को मिला डॉ प्रतीक मिश्र विशेष सम्मान

मिर्जापुर। लेखिका सृष्टि राज को भारतीय बाल कल्याण संस्थान, कानपुर (रजि) ने अपने 64वें बाल साहित्य सम्मान समारोह– २०२५ में डॉ. प्रतीक मिश्र विशेष सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान सृष्टि राज को बाल साहित्य में विशेष कार्य के लिए

दिया गया। सृष्टि राज की बाल साहित्य की दो चर्चित पुस्तकें 1. दर्पण में बचपन और 2. बहादुर कुकू, प्रकाशित हो चुकी हैं। सृष्टि राज मिर्जापुर के विंध्यवासिनी महाविद्यालय में बी ए तृतीय वर्ष की छात्रा हैं। प्रसिद्ध साहित्यकार आनंद अमित इनके पिता हैं। इनकी तबियत खराब होने के कारण सृष्टि राज कानपुर समारोह में नहीं पहुंच पाई थीं। सम्मान को सुभाष वर्मा ने संस्था सचिव एस बी शर्मा से प्राप्त किया और सृष्टि राज तक पहुंचाया। सृष्टि राज आकाशवाणी वाराणसी, पारस टीवी आदि पर अपनी कविताएं पढ़ चुकी हैं। इनकी रचनाएं विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में निरंतर प्रकाशित होती रहती हैं। सृष्टि राज को 2024 में कानपुर और श्रीनाथद्वारा राजस्थान में भी बाल साहित्य के लिए सम्मानित व पुरस्कृत किया जा चुका है। भारतीय बाल कल्याण संस्थान द्वारा सृष्टि राज को सम्मान दिए जाने पर मिर्ज़ापुर के साहित्यकारों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा, प्रसिद्ध नवगीतकार गणेश गंभीर, डॉ. नीरज त्रिपाठी, प्रवीन राठी, प्रसिद्ध संचालक व कवि लल्लू तिवारी, अरविंद अवस्थी, लालब्रत सिंह सुगम, केदारनाथ सविता, डॉ. रमाशंकर शुक्ल, आनंद अमित, डॉ सुधा सिंह, रमाशंकर सिंह यादव, पूजा यादव, कुलभूषण पाठक, इरफान कुरैशी, सुभाष वर्मा, आनंद केसरी, नंदिनी वर्मा, श्रुति जायसवाल, इला जायसवाल आदि ने बधाई दी।

डी एस पब्लिक स्कूल ने डॉक्टर्स डे पर किया नगर के चिकित्सकों का अभिनंदन

मुजफ्फरनगर। आज यहां डी एस पब्लिक स्कूल ने डॉक्टर्स डे के अवसर पर नगर के चिकित्सकों का अभिनंदन करते हुए उनके द्वारा जनपद वासियों के उत्तम स्वास्थ्य हेतु आत्मीयता के साथ चिकित्सीय सेवाएं प्रदान करने के लिए आभार प्रकट करते हुए, चिकित्सकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। स्कूल कोऑर्डिनेटर संदीप दीक्षित एवं शिक्षक रजनीश शर्मा के साथ विद्यालय के विद्यार्थियों ने नगर के चिकित्सकों के प्रति सम्मान एवं श्रद्धा प्रकट करते हुए विद्यालय की ओर से नगर के प्रतिष्ठित चिकित्सकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कोऑर्डिनेटर संदीप दीक्षित तथा विद्यालय के शिक्षकों के साथ , विद्यालय के

विद्यार्थियों ने जनपद के जाने–माने वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ ईश्वर चंद्रा , डॉक्टर समर्थ एवं जाने माने अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉक्टर डॉ अभिनव जैन, डाक्टर राजेश्वर सिंह, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉक्टर रेखा सिंह , वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर दीपक गर्ग, गला एवं नाक कान रोग विशेषज्ञ डॉक्टर दीपक गोयल , वरिष्ठ फिजिशियन डॉक्टर पंकज जैन, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अनुभव सिंघल, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सोमेश गुप्ता का उनके हॉस्पिटल पर पहुंचकर उनका अभिनंदन करते हुए, उन्हें पटका पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करके उन्हें डॉक्टर्स डे की शुभकामनाएं दी। स्कूल कोऑर्डिनेटर संदीप दीक्षित ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ चिकित्सकों का अभिनंदन करते हुए समाज के प्रति उनके समर्पण तथा उनकी सेवाओं के लिए उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की। शहर के वरिष्ठ चिकित्सकों का अभिनंदन करते हुए उन्होंने कहा कि चिकित्सक ईश्वर का ही दूसरा रूप होते हैं। उन्होंने नगर के चिकित्सकों का उनकी निष्ठा पूर्ण चिकित्सीय सेवाओं के लिए विशेष कर आपदा काल में जिस प्रकार उन्होंने जनपद वासियों को अपनी चिकित्सीय सेवाएं दी हैं उसके लिए आभार प्रकट करते हुए उन्हें श्रद्धा पूर्वक नमन किया। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए प्यार एवं सम्मान से अभिभूत हुए सभी चिकित्सकों ने विद्यार्थियों को उत्तम स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वर्णिम भविष्य की कामना की। सभी ने इस प्यार एवं सम्मान के लिए विद्यालय परिवार का भी आभार प्रकट किया।

बोंगाईगांव रिफाइनरी में स्वच्छता पखवाड़ा 2025 का शुभारंभ

बोंगाईगांव। बोंगाईगांव रिफ़ाइनरी (बीजीआर) ने आज आधिकारिक तौर पर स्वच्छता पखवाड़ा 2025 (थीम – स्वच्छ भविष्य के लिए एकजुट प्रयास) बीजीआर टाउनशिप के बीजीआर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शपथ ग्रहण समारोह के साथ शुरू किया। इस कार्यक्रम से रिफ़ाइनरी परिसर और आस–पास के जिलों में सफ़ाई और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक पखवाड़े भर चलने वाले अभियान की शुरुआत की।

उद्घाटन कार्यक्रम में सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें स्वच्छ भारत अभियान के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया।

उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में बोंगाईगांव नगर निगम बोर्ड और काजलगांव नगर निगम बोर्ड के अध्यक्ष तथा उनके संबंधित सदस्य शामिल थे। शैक्षणिक समुदाय में डीपीएस धालीगांव और बीजीआर एचएस स्कूल के प्रिंसिपल, शिक्षकों और छात्रों का अच्छा प्रतिनिधित्व था , जिन्होंने स्वच्छता की शपथ लेने में बोंगाईगांव रिफाइनरी के कर्मचारियों के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत

स्वागत भाषण से हुई, जिसमें पखवाड़े की गतिविधियों की रूपरेखा साझा की गई, जिसके बाद स्वच्छता की शपथ ली गई, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता और सफाई के सिद्धांतों को बनाए रखने की शपथ ली।

श्री जे.जे. दास, मुख्य महाप्रबंधक (एचएस एंड ई) ने स्वच्छता के महत्व पर एक प्रेरक सम्बोधन दिया और औपचारिक रूप से स्वच्छता पखवाड़े का उद्घाटन किया। इस अवसर पर स्वच्छता रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। रथ को विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है जो पूरे पखवाड़े के दौरान बोंगाईगांव, चिरांग और कोकराझार जिलों में घूमेगा और स्वच्छता का महत्वपूर्ण संदेश फैलाएगा तथा सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा।

बोंगाईगांव रिफ़ाइनरी स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है और स्वच्छता पखवाड़ा 2025 इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मिशन के प्रति इसकी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रमाण है। पखवाड़े के दौरान बोंगाईगांव रिफ़ाइनरी स्कूल, कॉलेजों और स्थानीय बाज़ारों में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम और प्रतियोगिताएँ आयोजित करेगी । शपथ ग्रहण के बाद सभी उपस्थित लोगों ने बीजीआर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया।

पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी ने मनाया राभा दिवस

'पूर्वोत्तर सृजन' पत्रिका का हुआ लोकार्पण

तेजपुर। पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी असम (भारत) द्वारा राभा दिवस शिक्षक भवन, तेजपुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संस्थापिका रीता सिंह श्सर्जनाश की अध्यक्षता में कार्यक्रम की शुरुआत मेघराज आत्रेय जी के संचालन में मंगलाचारण के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में विशिष्ट साहित्यकार डॉ. परशुराम नायक ,मुख्य वक्ता के रूप में असमीया साहित्यकार मृदुल सहरिया , आमंत्रित अतिथि के रूप में डॉ भाग्यश्री नायक तथा संरक्षक सुनील सराफ उपस्थित थे। उपाध्यक्ष शंकर चक्रवर्ती ने स्वागत भाषण में बिष्णु राभा जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. परशुराम नायक ने कहा कि मैं दक्षिण भारत से हूँ । नार्थ इष्ट में मैं एक महान संत को जानता था, वह हैं शंकर देव पर आज बिष्णु राभा के विरल व्यक्तित्व से परिचय होने का अवसर मिला जिसे मैं अपना सौभाग्य समझता हूँ । मुख्य वक्ता मृदुल सहरिया ने कहा –श्बिष्णु राभा एक नाम नहीं एक संपूर्ण संस्था थे। वे असम के जाने माने सांस्कृतिक व्यक्ति थे। मैं समझता हूँ कि वे एक सोशियल साइंटिष्ट थे। ।श अपने उद्बोधन में संस्थापिका रीता सिंह श्सर्जनाश ने बिष्णु प्रसाद राभा के विरल व्यक्तित्व और सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए हिंदी में आज इसे सहेजने की आवश्यकता है बताया। संरक्षक सुनील सराफ को अकादमी द्वारा संरक्षक पद प्रदान करते हुए सम्मान पत्र दिया गया। इस अवसर पर उन्होंने अकादमी के कार्यो को

सराहा और बधाई दिया। तत्पश्चात अकादमी की वार्षिक पत्रिका श्पूर्वोत्तर सृजनश का लोकार्पण मुख्य अतिथि के कर कमलों से किया गया। इस अवसर पर बहुभाषी काव्य गोष्ठी में आमंत्रित असमीया कवयित्री व्यूटी बेजबरुआ ने राभा जी को समर्पित असमीया कविता पाठ किया। दीपक रिजाल ने नेपाली भाषा में देश भक्ति कविता पाठ किया तो वही कल्पना देवी आत्रेय ने कलागुरु राभा जी को समर्पित एक स्वरचित कविता का पाठ किया। आमंत्रित अतिथि भाग्यश्री जी ने अपना श्रद्धा सुमन अर्पित किया। अंत में शंकर चक्रवर्ती ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा राष्ट्र गान के साथ सभा समापन हुआ।

आसान है कमजोर लोगों पर हिंसा का आरोप लगाना: चन्द्रशेखर

मोरना। शुकतीर्थ स्थित संत शिरोमणि सतगुरु रविदास सतगुरु समनदास आश्रम में पहुंचे भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर ने गुरू बंदगी कर संतों का आशीर्वाद लिया। साथ ही मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान अनुयायियों को हुई असुविधा व समाज के संतों को उचित सम्मान न मिलने पर रोष प्रकट किया तथा कोशाम्बी की घटना को लेकर कमजोर लोगों पर फर्जी मुकदमे दर्ज करने के शासन प्रशासन पर गम्भीर आरोप लगाए। वहीं 16 सदस्यीय संतों का एक प्रतिनिधिमंडल आश्रम के प्रबंधक महात्मा गोवर्धनदास से मिला तथा आगामी 10 अगस्त को होने वाले सत्संग व भंडारे के कार्यक्रम पर चर्चा की। इस दौरान एडीएम वित्त, एसडीएम जानसठ, सीओ भोपा सहित जिले के आला अधिकारी तथा भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

अखिल भारतीय संत शिरोमणि सतगुरू रविदास मिशन के सदस्यों द्वारा 30 जून को संत समागम का आहवान किया गया था। कार्यक्रम में भीम आर्मी चीफ चंद्रेशेखर के शामिल होने को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया। सोमवार सुबह सवेरे मोरना भोकरहेडी शुक्रताल क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया। अनेक स्थानों पर बैरिकेटिंग लगाकर पुलिस बल तैनात किया गया। इस दौरान अनुयायी आश्रम पहुंचते रहे। दोपहर के समय संतों का एक प्रतिनिधिमंडल जिसमें आचार्य कंवरपाल ब्रह्मचारी महाराज, सतपालदास महाराज, गुलाबदास महाराज, मानदास महाराज, महात्मा ब्रजपालदास,

महात्मा महीपालदास, प्रविन्द्र धारिया, महात्मा प्रेमदास, महात्मा मेघराज, महात्मा मेहरचन्ददास, महात्मा ज्ञानदास महाराज, महात्मा ज्ञानदास महाराज, महात्मा मेघराजदास, महात्मा तारादास, महात्मा सरदादास, कुलदीपदास, महात्मा ब्रिजेशदास शामिल रहे, जिन्होंने कहा कि बीते 10 व 11 जून को सत्संग में प्रदेश के मुख्यमंत्री के आगमन से अनुयायियों को भारी परेशानी का सामना करना पडा तथा आश्रम के द्वार बंद भक्तों को गुरू बंदगी करने से रोक दिया गया तथा समाज के संतों को मुख्यमंत्री के मंच पर स्थान नहीं दिया गया। कार्यक्रम के दौरान अन्य घटनाएं कुछ ऐसी घटी कि जिससे समाज आहत हुआ। प्रकरण को लेकर संतों का प्रतिनिधिमंडल आश्रम के प्रबंधक महात्मा गोवर्धनदास से मिला तथा आगामी 10 अगस्त को सत्संग व 11 अगस्त को भंडारे के कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। भीम आर्मी के संस्थापक व नगीना लोकसभा सांसद चन्द्रशेखर ने कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा को लेकर जो अव्यवस्था हुई है, वह उचित नहीं है। भक्तों को गुरू बंदगी करने से रोका जाना उचित नहीं है तथा कोशाम्बी की घटना को लेकर चंद्रशेखर ने कहा कि साजिश के तहत उन्हें कोशाम्बी जाने से रोका गया। हिंसा के जिम्मेदार शासन प्रशासन है। कोशाम्बी की घटना से ध्यान भटकाने के लिए सरकार द्वारा हिंसा कराई गई। अब कमजोर लोगों पर आरोप लगाए जा रहे हैं। कमजोर लोगों पर हिंसा का आरोप लगाना सबसे आसान है। जबकि हिंसा का जिम्मेदार प्रशासन है। प्रबंधक महात्मा गोवर्धनदास ने कहा कि सतगुरू समनदास महाराज की पुण्यतिथि पर 10 अगस्त को सत्संग व 11 अगस्त को भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसके बाद आगे की रूपरेखा तैयार की जाएगी। इस अवसर पर एडीएम वित्त गजेन्द्र सिंह, एसडीएम जानसठ जयेन्द्र सिंह, सीओ भोपा डॉ. रविशंकर मिश्र, नायब तहसीलदार विपिन कुमार, प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर रहा। शुकतीर्थ में चप्पे चप्पे पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। वहीं मोरना में भी मुख्य चौराहे तथा भोकरहेडी बस स्टैण्ड पर बैरिकेटिंग लगाकर वाहनों को नियंत्रित किया गया तथा प्रत्येक गतिविधि पर गहरी पुलिस द्वारा बनाई गई।

कार्यक्रम के दौरान रहा भारी हंगामा

समनदास आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में भक्तों में भारी रोष दिखाई दिया। भक्तों ने गत 11 जून को मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान भक्तों को हुई असुविधा व समाज के संतों की अनदेखी को लेकर रोष प्रकट किया।

डॉक्टर्स डे पर सम्मान समारोह आयोजित

प्रतापगढ़। लायंस क्लब प्रतापगढ़ अवध के तत्वाधान से मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रतापगढ़ के कार्यालय में डॉक्टर्स डे के अवसर पर किया गया भव्य सम्मान समारोह। डॉक्टर्स डे प्रतिवर्ष 1 जुलाई को मनाया जाता है जो चिकित्सकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है स डॉ बीसी रॉय एक महान चिकित्सक और शिक्षाविद् थे जिन्होंने चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह दिन चिकित्सकों के निस्वार्थ सेवा और समर्पण को पहचानने और उनकी सराहना करने के लिए मनाया जाता है। इस अवसर पर लायंस क्लब प्रतापगढ़ अवध के पदाधिकारियों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय में विभिन्न डॉक्टरो को प्रमाण पत्र के साथ अंगवस्त्रम एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया स और जिले में हो रही स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सम्मानित डॉक्टर मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रतापगढ़ डॉ ए एन प्रसाद, डिप्टी सीएमओ डॉ राजेश कुमार, ए सीएमओ ए एन राय, प्राचार्य एमटीसी सेंटर डॉ श्याम भार्गव, उप प्राचार्य डॉ अंजली, डिप्टी सीएमओ डॉ वंदना जयशवाल, सीएमएस डॉक्टर शैलेंद्र कुशवाहा, डीपीएम रंजीत यादव जी का सम्मान किया गया। इन महान विभूतियों का सम्मान करने के लिए लायंस क्लब प्रतापगढ़ अवध के पदाधिकारी प्रशासक लॉ संतोष पांडे, निदेशक लॉ नीलेश मिश्रा, अध्यक्ष लॉ डॉ उमाकांत ओझा, उपाध्यक्ष लॉ डॉ रामकुमार पांडे, लॉ उदय मिश्रा लॉ पीयूष कांत शर्मा जी लॉ संतोष भगवान जी, लॉ हैप्पी सिंह, लॉ क्षितिज श्रीवास्तव, ला अजय पांडे जी एवं अन्य मौजूद रहे।

अम्बिका आम

(कुण्डलिया)

कम मीठा यह आम है,खाने में स्वादिष्ट।
शुगर मरीजों का कभी, करता नहीं अनिष्ट।
करता नहीं अनिष्ट,'अम्बिका' है अति अच्छा।
खाते हैं सब लोग, इसे बस केवल पक्का।
सुन लो कहें प्रदीप, देखकर इसका दम खम।
है यह अति गुणवान, न समझो दूजों से कम।।

मातु 'जनार्दन पसन्द', दक्षिण का है आम।
पिता आम्रपाली बने, उत्तर जिनका धाम।
उत्तर जिनका धाम, 'अम्बिका' बेटा उनका।
गूदा रेशेदार, लाल छिलका है जिसका।
सुन लो कहें प्रदीप, स्वाद में दिखा नयापन।
छोटे कद का वृक्ष, आम में है जनार्दन।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मकान की छत गिरने से पिता–पुत्र घायल

मोरना। तेज बारिश के दौरान मकान की छत गिर गयी। जिसके मलबे मे पिता पुत्र दबकर घायल हो गये घायलों को उपचार के लिए निजी चिकित्सक के पास ले जाया गया। थाना ककरौली क्षेत्र के गांव कम्हेड़ा निवासी मौ. मोहसिन अपने पांच वर्षीय पुत्र अमीर हम्ज़ा के साथ मकान के अंदर लेटा हुआ था। उसकी पत्नी नूर फातिमा डेढ़ वर्षीय पुत्र हुसैन को लेकर बाहर आंगन में बैठी थी। सोमवार दोपहर करीब दो बजे अचानक मकान की कच्ची छत भरभरा कर गिर गयी। मकान के अंदर लेटे हुए

मोहसिन व पुत्र अमीर हम्ज़ा मलबे में दब गए। शोर–शराबा होने पर मोहल्ले के बदरुज्जमा, अय्यूब, नईम, शमीम, राशिद आदि मौके पर पहुंचे तथा छत का मलबा हटाकर घायल पिता–पुत्र को बाहर निकाला। अन्य परिजन घायलों को गांव में एक निजी चिकित्सक के यहां ले गए। पीड़ित मोहसिन ने बताया कि कमरे में रखी चारपाई, संदूक, खाने के बर्तन व कपड़े आदि मलबे में दब गए। जिससे उसे काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। पूर्व प्रधान गुलफाम ने एसडीएम जानसठ को घटना की जानकारी दी। एसडीएम जानसठ जयेंद्र सिंह ने बताया कि पक्का मकान बनवाने के लिए पीड़ित परिवार को चौबीस घंटे के अंदर एक लाख बीस हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जायेगी।

तिनसुकिया गोलाघाट शाखा की काव्य गोष्ठी धूमधाम से संपन्न

तिनसुकिया। गोलाघाट शाखा कीमहिला काव्य गोष्ठी शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी की अध्यक्षता में ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस काव्य गोष्ठी की मुख्य अतिथि ऊषा बिनानी एवं विशिष्ट अतिथि बिमला काबरा रही। मां शारदे की मूर्ति स्थापना दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के पश्चात मां सरस्वती की वंदना मीना नागोरी ने प्रस्तुत की । तत्पश्चात सभी ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां देकर मंच को सुसज्जित किया। प्रस्तुति देने वाली बहनों में मीना नागोरी,रंजना बिनानी काव्या, भगवती बिहानी,एवं सरला बजाज ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां दी। प्रत्येक माह गोलाघाट शाखा द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन किया जाता है। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन सरला बजाज द्वारा किया गया,धन्यवाद ज्ञापन शाखा अध्यक्ष रंजना बिनानी द्वारा दिया गया।

सम्पादकीय.....

स्त्री–द्वेष की सोच

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार के मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल टिप्पणी स्त्री की मर्यादा के खिलाफ शर्मनाक व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा ने पार्टी के नेताओं के बयान पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री–द्वेष पार्टी लाइन से परे है। वहीं इससे भी बदतर स्थिति यह है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं। विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। देश के विभिन्न राज्यों में कई जघन्य अपराधों के बाद टिप्पणियों में पितृसत्तात्मक रीति–रिवाजों को ही उजागर किया जाता है। गाहे–बगाहे शर्मनाक टिप्पणियां की जाती रही हैं। यदि 21वीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं। यहां उल्लेखनीय है कि कोलकत्ता में कानून की छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के बाद एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि मामले में कानून अपना काम करेगा, लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं हो जाना चाहिए। इस मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार–हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में जीवन–मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है। यह भी कि यह एक स्वीकार्य व्यवहार है। यह तर्क से परे है कि किसी पीड़िता को पूर्ण भौतिक व मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना एक आवश्यक कर्तव्य के रूप में निहित क्यों नहीं, चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में क्यों न हो। किसी अपराध की रोकथाम अच्छे शासन का एक उपाय है, लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों ही मामलों में विफल प्रतीत होती है।

धर्मोन्मादी राजनीति का नुकसान

डॉ. दीपक पाचपोर

महाकुंभ में मची भगदड़ में कई लोग मारे गए और सरकार ने अब तक उनकी सही संख्या नहीं दी है। अब रथयात्रा में भी भगदड़ से कम से कम तीन लोगों की मौत की खबर है।

भाजपा धर्म और संस्कृति की माला दिन–रात जपती है। उसकी सारी राजनीति ही धार्मिक मुद्दों के इर्द–गिर्द रहती है। अपने फायदे के लिए लोगों में धर्मांधता और धर्मोन्माद जगाने से भी भाजपा को परहेज नहीं है। ऐसा करके भाजपा को तो सत्ता हासिल हो रही है, लेकिन आम जनता का कितना नुकसान होता जा रहा है, इसका ताजा उदाहरण पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा में हुई भगदड़ से सामने आया है। अभी छह महीने नहीं बीते, जब प्रयागराज में महाकुंभ में भारी भगदड़ मची थी। भाजपा सरकार को इस बात का रिकार्ड कायम करना था कि उसके शासनकाल में आयोजित कुंभ मेले में श्रद्धालुओं की कितनी भीड़ जुट रही है। पांच अहम बिन्दु रोजाना के आंकड़े सरकार पेश करती थी कि आज इतने करोड़ लोग पहुंचे, आज इतने करोड़ लोगों ने स्नान किया। देश–दुनिया से श्रद्धालु ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचे, इसके लिए खूब विज्ञापन और प्रचार–प्रसार किया गया। हालांकि भारत में सदियों से धार्मिक आयोजन होते रहे हैं और जिन्हें सच में श्रद्धा होती है, वे अपने आप तीर्थाटन के लिए निकलते ही हैं। किंतु भाजपा के शासनकाल में तीर्थ यात्रा, धार्मिक मेले इन सब में अब श्रद्धा से ज्यादा दिखावे का बोलबाला दिखने लगा है। लोग धार्मिक आयोजनों में बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं और जिन पर व्यवस्था की जिम्मेदारी होती है, उनकी लापरवाही अक्सर जानलेवा साबित हो रही है। महाकुंभ में मची भगदड़ में कई लोग मारे गए और सरकार ने अब तक उनकी सही संख्या नहीं दी है। अब रथयात्रा में भी भगदड़ से कम से कम तीन लोगों की मौत की खबर है। भारत के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सवों में से एक पुरी की जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान रविवार तड़के गुंडिचा मंदिर के पास सराधाबली में भारी भीड़ के कारण भगदड़ मच गई। जिसमें तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 50 से अधिक लोग घायल हो गए, जिनमें से छह की हालत गंभीर बताई जा रही है। रथ यात्रा के तीसरे दिन, जब रथ गुंडिचा मंदिर के पास था, तब भारी भीड़ ने दर्शन के लिए धक्का–मुक्की शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्थिति तब और बिगड़ गई जब दो ट्रक, जिनमें रस्मों के लिए सामग्री लादी गई थी, भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में प्रवेश कर गए, जिससे अफरातफरी मच गई। बताया जा रहा है कि जब यह हादसा हुआ, तब न अग्निशमन अधिकारी, न ही बचाव दल, और न ही अस्पताल की टीम ने तत्काल मदद की। वहां मौजूद लोगों के मुताबिक भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था बेहद खराब थी। फिलहाल जिला प्रशासन का कहना है कि पीड़ितों को फौरन अस्पताल में भर्ती कराया गया और गंभीर रूप से घायल लोगों का इलाज चल रहा है। लेकिन अब इस पर सियासी बयानबाजी भी शुरु हो चुकी है। पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस हादसे को सरकार की घोर अक्षमता का परिणाम बताया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, यह भगदड़, जो रथ यात्रा के दौरान भीड़ प्रबंधन की विफलता के ठीक एक दिन बाद हुई, सरकार की नाकामी को उजागर करती है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इस हादसे में प्रारंभिक मदद श्रद्धालुओं के परिजनों से मिली, सरकारी मशीनरी पूरी तरह अनुपस्थित थी। बता दें कि इससे पहले 27 जून को भी रथ यात्रा के दौरान गजपति राजा के महल के पास श्री नहर क्षेत्र में भगदड़ जैसी स्थिति में 40 से अधिक श्रद्धालु बेहोश हो गए थे और उन्हें पुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। इसी दिन एक अन्य हादसे में, तलध्वज रथ (भगवान बलभद्र का रथ) को खींचने के दौरान भारी भीड़ के कारण 500 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए थे, जिनमें से आठ की हालत गंभीर थी। इस घटना ने भी प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठाए थे। जब दो–तीन दिनों में ऐसी घटनाएं हो चुकी थीं, जिनमें गंभीर नुकसान हो सकता था, तो फिर सरकार और प्रशासन सचेत क्यों नहीं हुए, ये बड़ा सवाल है। भाजपा अब भी अपनी जिम्मेदारी से ज्यादा विपक्ष पर हमला बोलने में लगी है। नवीन पटनायक ने कुप्रबंधन पर ध्यान दिलाया तो अब ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने पटनायक का नाम लिए बिना पूर्ववर्ती बीजद सरकार पर कुप्रबंधन का आरोप लगाया और कहा कि 1977 से रथ यात्रा की प्रक्रिया में कोई रुकावट नहीं आई थी। हालांकि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और मंत्री मुकेश महालिंग ने जनता से माफी मांगी है। उन्होंने एक्स पर ट्वीट में कहा–व्यक्तिगत रूप से, मेरी सरकार और मैं सभी जगन्नाथ भक्तों से क्षमा मांगते हैं। हम अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं... यह लापरवाही अक्षम्य है। सुरक्षा चूक की तत्काल जांच की जाएगी। मैंने निर्देश दिया है कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। अब सोचने वाली बात यह है कि जब मुख्यमंत्री खुद इस लापरवाही को अक्षम्य मान रहे हैं, तो क्या जगन्नाथ भक्तों से माफी मांगने के साथ–साथ वे अपने पद से इस्तीफा देने का नैतिक साहस दिखा पाएंगे। क्योंकि जो भगदड़ हुई है, वह सरासर लापरवाही का ही नतीजा है। पुरी जिला प्रशासन और श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने स्वीकार किया कि इस साल की भारी भीड़ को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण था। लगभग 10,000 पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती के बावजूद, भीड़ की भारी संख्या के सामने व्यवस्था चरमरा गई। प्रशासन ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बेहतर सुरक्षा उपायों और भीड़ प्रबंधन की योजना बनाने का वादा किया है। मुख्यमंत्री ने इस घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं ताकि हादसे के कारणों का पता लगाया जा सके और भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोका जा सके। जहां लाखों की भीड़ आई हो, वहां केवल दस हजार जवानों से व्यवस्था कैसे संभाली जा सकती थी। जाहिर है भाजपा ने एक बार फिर आम आदमी की जान को बहुत हल्के में लिया है। इसमें जान का जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई कोई मुआवजा नहीं कर पाएगा।

बिहार में चुनाव आयोग कामयाब तो भाजपा कामयाब

शकील अख्तर

राहुल गांधी की यह बात लोगों के दिलों में घर कर गई। बीजेपी इस बात को समझ गई है। इसलिए उसने बिहार चुनाव के लिए नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। हालांकि अलग–अलग तरीकों से वह हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली हर जगह यह काम कर चुकी थी कि वोटर लिस्ट में फर्जी वोट जोड़ना और अल्पसंख्यक वोट कटवाना। राहुल इस मुद्दे पर लगातार चुनाव आयोग को घेर रहे हैं। कभी मतदाता जोड़ने का काम होता था। अब मतदाता काटने की मुहिम चलाई जा रही है। क्या बिहार में भाजपा को अपनी हार के संकेत मिल रहे हैं? 2014 के बाद से हर चुनाव भाजपा ने मोदी के नाम से जीता है। और मोदी के भी राष्ट्रवाद नाम के मुद्दे पर। मगर पहलगाम के बाद मोदी का राष्ट्रवाद का मुद्दा कमजोर हुआ। और फिर अचानक सीज फायर को स्वीकार कर लेने के बाद मोदी का कोर वोटर भी उनसे निराश हो गया। हमेशा से यह अपने समर्थकों को यह सिखाते रहे थे कि कांग्रेस पाकिस्तान से पीओके नहीं ले पाई। समर्थक जो अब भक्त बन गए हैं वह यह मानकर चल रहे थे कि अब उनके पास मोदी जैसा मजबूत प्रधानमंत्री है वह पीओके वापस ले आएंगे। सेना ने वैसे हालात पैदा भी कर दिए थे। उसके सटीक हमलों से पाकिस्तान घबरा गया था। पेनिक रिएक्शन (घबराहट भरी प्रतिक्रिया) में पुंछ राजौरी के नागरिक क्षेत्रों पर हमला करने लगा था। ऐसे में अचानक अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा स्टाप! शाम पांच बजे से बंद। और हमने कर दिया। पाकिस्तान जिसे सीज फायर की जरूरत थी उसने हमले जारी रखे। इसिलिए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि नरेन्द्र सरेंडर! राहुल गांधी की यह बात लोगों के दिलों में घर कर गई। बीजेपी इस बात को समझ गई है। इसलिए उसने बिहार चुनाव के लिए नई रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। हालांकि अलग–अलग तरीकों से वह हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली हर जगह यह काम कर चुकी थी कि वोटर लिस्ट में फर्जी वोट जोड़ना और अल्पसंख्यक वोट कटवाना। राहुल इस मुद्दे पर लगातार चुनाव आयोग को घेर रहे हैं। उनके किसी सवाल का जवाब चुनाव आयोग के पास नहीं है। उल्टा उसने चुनाव के सीसीटीवी फुटेज का रिकार्ड 45 दिन बाद नष्ट करने का फैसला और कर लिया है। राहुल ने इसे सबूत नष्ट करना बताया है। क्रिमिनल ला में सबूत नष्ट करना गंभीर अपराध है। अब चुनाव आयोग ने एक नई चाल चली है। उसने बिहार चुनाव से तीन महीने पहले एक विशेष गहन पुनर्निरीक्षण अभियान शुरू किया है। सिर्फ एक महीने के अंदर 25 जून से 26 जुलाई तक वह 243 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 8 करोड़ मतदाताओं का वेरिफिकेशन करेगा। सोचिए 8 करोड़ वोटर का सत्यापन केवल एक महीने में! क्या संभव है? इसके लिए उसने क्या किया है? लोगों को मोबाइल पर मैसेज भेजे जा रहे हैं। इसमें दो प्रमुख मुद्दे हैं। पहला क्या बिहार में 8 करोड़ मोबाइल हैं? क्या वोटर लिस्ट या वोटर आईडी में मोबाइल नंबर होता है? दूसरा मुद्दा। इन दिनों चल रहे फोन पर फ्राड के बाद सरकारी सरकारी एजेन्सियां और पुलिस साइबर क्राइम वाले सब कहते हैं कि फोन पर कोई जानकारी न दें। यहां फोन पर ही वेरिफिकेशन हो रहा है। क्या यह साइबर क्राइम को बढ़ावा नहीं देगा? दरअसल भारत में लोकतंत्र आने के बाद यह सबसे बड़ा फ्राड होने जा रहा है। समय रहते अगर विपक्ष इसे रोकने में सफल नहीं हुआ तो एक अगस्त, जो चुनाव आयोग ने नई मतदाता सूची जारी होने की तारीख रखी है, को लाखों लोगों के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए जाएंगे। विपक्ष को चाहे सुप्रीम कोर्ट जाना पड़े या कोई और बड़ा कदम उठाना पड़े तत्काल करना चाहिए। अगर चुनाव आयोग कामयाब हो गया तो भाजपा भी कामयाब हो गई। विपक्ष या जो वहां महागठबंधन कहा जा रहा है, के लिए सीट बंटवारे से बड़ा पहला काम यह होना चाहिए कि वोटर लिस्ट पुनर्निरीक्षण के नाम पर लोगों के नाम कटने को रोका जाए। चुनाव आयोग ने वहां नए मतदाता पहचान पत्र बनाने पर रोक लगा दी। साथ ही कहा है कि जिनका वैरिफिकेशन नहीं होगा उनके वोटर आई डी अवैध माने जाएंगे। वैरिफिकेशन कितना मुश्किल है यह इससे समझें कि जिनका जन्म एक जुलाई 1987 से पहले हुआ है उन्हें डेट आफ बर्थ सर्टिफिकेट देना होगा। मतलब जिनकी उम्र 38 साल या उससे ऊपर है और जो कई चुनावों में वोट डाल चुके हैं अब इस बार अगर वोट डालना चाहतें हैं तो जन्म प्रमाण पत्र लाएं। गांवों में गरीब कमजोर वर्ग में कितने लोगो के पास होगा? पंचायत में जब वोट डाले जाते हैं तो वहां प्रत्याशी एक–एक वोटर को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। वही सूची सबसे अथेंटिक होती है। लेकिन अब उसे भी नहीं माना जाएगा। और विपक्षी दलों में अगर कोई यह समझ रहा है कि यह केवल मुस्लिम के वोट काटने के लिए ही किया जा रहा है तो वह भारी गलतफहमी में है। जिन भी पार्टियों के वोटर दलित पिछड़े हैं उन्हें सबसे ज्यादा नुकसान होगा। मुस्लिम के वोट तो जितने वह काट सकते थे पहले ही काट दिए हैं। अब बारी दूसरे उन वोटों की है जिनका आरक्षण, संविधान, अंबेडकर जैसे मुद्दों को लेकर भाजपा से अभी–अभी मोहभंग हुआ है। 2014 के लोकसभा चुनाव के पहले तक तो दलित पिछड़ा भाजपा को खूब वोट दे रहा था। मगर जब भाजपा ने संविधान बदलने की बात की तो दलित आदिवासी वोट थम गया। भाजपा का लोकसभा से बहुमत भी छिन गया। बहरहाल चुनाव आयोग का वैरिफिकेशन के लिए दूसरी शर्त देखिए युवा वोटरों के लिए। एक जुलाई 1987 के बाद और 2 दिसबंर 2004 से पहले जन्मे हुए लोगों के लिए। इन्हें अपना नाम वोटर लिस्ट में बचाने के लिए माता–पिता के जन्म प्रमाण पत्र देना होंगे। मतलब हम जन्मे थे यह बताना ही पर्याप्त नहीं होगा मां–बाप भी जन्में थे यह सिद्ध करना होगा। माता–पिता की संतति हैं–नान बायलोजिकल नहीं! वह तो एक ही हैं वन एंड ओनली मोदी जी! बिहार के चुनाव बता रहे हैं कि चुनाव आयोग भाजपा को जीताने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। विपक्ष के लिए इसे रोकना ही सबसे बड़ी प्राथमिकता होना चाहिए। सीटों का बंटवारा और दूसरे काम विपक्ष बाद में भी कर सकता है। सबसे पहले उसे इसे रोकने के लिए कई स्तरों पर रणनीति बनानी होगी। एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट भी जाना चाहिए। यह नया रिविजन ऐसा है जिसमें कई–कई बार अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके लोगों से पूछा जा रहा है आप वोट डालने के अधिकारी हैं या नहीं? मतलब पहले जो वोट डाल चुके और इस आधार पर जो सरकारें बनीं वह नल एंड वाइड (अमान्य और शून्य) हैं। कानून के शब्दों में वह चुनाव रद्द हैं। अप्रभावी। बिहार सरकार भी और केन्द्र सरकार भी! चुनाव से ठीक पहले ऐसा रिविजन कभी नहीं हुआ। लोकतंत्र पर यह बहुत बड़ा खतरा है। राहुल गांधी के यह आरोप सही साबित हो रहे हैं कि भाजपा को जीताने के लिए चुनाव आयोग हर स्तर पर धांधली कर रहा है। महाराष्ट्र के वोटर बढ़ाने के सारे सबूत वे दे चुके हैं। इससे पहले कांग्रेस हरियाणा में हुई धांधलियों के भी। राहुल महाराष्ट्र के वोटर लिस्ट की डिजिटल कापी मांग रहे हैं। उन्होंने इन चुनावों को मैच फिक्सिंग कहा है। कहा है यह लोकतंत्र के लिए जहर के समान है। चुनाव आयोग से भरोसा खत्म हो रहा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

एससीओ की बैठक में भारत कूटनीतिक रुप से अलग–थलग पड़ गया

नित्य चक्रवर्ती

स्वाभाविक रूप से, श्री सिंह ने इस एकतरफा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर नहीं किये। एससीओ में नियम यह है कि हर प्रस्ताव सर्वसम्मति के आधार पर होना चाहिए। इसलिए भारत की आपत्ति के परिणामस्वरूप, संयुक्त बयान जारी नहीं किया जा सका। पाकिस्तान खुश है कि भारत ने हस्ताक्षर नहीं किये। इसलिए यह इस्लामाबाद के लिए एक कूटनीतिक जीत थी। चीन के किंगदाओ शहर में 25 और 26 जून को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भारत का कूटनीतिक रूप से अलग–थलग पड़ जाना स्पष्ट रूप से दिखा, जब एक संयुक्त बयान तैयार किया गया, जिसमें सदस्यों से आतंकवाद से मिलकर लड़ने का आह्वान किया गया, लेकिन बलूचिस्तान में हमलों का उल्लेख तो किया गया परन्तु 22 अप्रैल को पहलगाम में हुई आतंकी हत्याओं का कोई उल्लेख नहीं किया गया। 2025 शिखर सम्मेलन के मेजबान देश चीन की अध्यक्षता में हुई बैठक में भारत और पाकिस्तान सहित सदस्यों के बीच चर्चा के बाद संयुक्त बयान तैयार किया गया। पहलगाम हत्याकांड और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान में आतंकी शिविरों को ध्वस्त करने की भारत की कार्रवाई पर केंद्रित विचार–विमर्श के दौरान भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के खिलाफ जोरदार तरीके से बात की। लेकिन अंतिम दिन संयुक्त बयान में पहलगाम आतंकवाद पर भारत के दृष्टिकोण को शामिल नहीं किया गया, जबकि बलूचिस्तान पर पाकिस्तान के दृष्टिकोण को शामिल किया गया। स्वाभाविक रूप से, श्री सिंह ने इस एकतरफा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर नहीं किये। एससीओ में नियम यह है कि हर प्रस्ताव सर्वसम्मति के आधार पर होना चाहिए। इसलिए भारत की आपत्ति के परिणामस्वरूप, संयुक्त बयान जारी नहीं किया जा सका। पाकिस्तान खुश है कि भारत ने हस्ताक्षर नहीं किये। इसलिए यह इस्लामाबाद के लिए एक कूटनीतिक जीत थी, जो पहलगाम हत्याकांड और ऑपरेशन सिंदूर के बाद वैश्विक राय को प्रभावित करने के लिए भारत के साथ धारणा की लड़ाई में लगा हुआ है। एससीओ में वर्तमान में दस सदस्य हैं– चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान, ईरान, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान। भारतीय अधिकारियों ने दावा किया कि बयान चीन द्वारा पाकिस्तान के पक्ष में दिया गया था। ठीक है। यह सच हो सकता है। लेकिन फिर रूस सहित अन्य सात सदस्यों का क्या? यह हमारे विदेश मंत्रालय की सरासर की विफलता थी कि एससीओ के सभी मध्य एशियाई सदस्य देश भारत के समर्थन में नहीं आये। यहां तक कि रूस ने भी भारतीय दृष्टिकोण को शामिल करने के लिए बयान में संशोधन करने में हस्तक्षेप नहीं किया। एससीओ के कुल दस सदस्यों में से भारत को छोड़कर कोई भी अन्य देश बयान के खिलाफ नहीं था। यह स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के पक्ष में 9–1 था। इस साल के अंत में चीन के तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, ऐसा कहा जाता है। वे वहां चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अन्य नेताओं से मिलेंगे। रक्षा मंत्रियों की हालिया बैठक की तरह इस शिखर सम्मेलन में भी आतंकवाद से लड़ने का मुद्दा उठेगा। भारत के प्रधानमंत्री यह सुनिश्चित करने के लिए क्या करने जा रहे हैं कि शिखर सम्मेलन की घोषणा में अंततरू भारतीय दृष्टिकोण शामिल हो? इस साल के अंत में एससीओ शिखर सम्मेलन से पहले, 6 और 7 जुलाई को ब्राजील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। भारतीय प्रधानमंत्री उसमें भाग लेंगे। उस बैठक में भी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का मुद्दा उठेगा। पाकिस्तान ब्रिक्स का सदस्य नहीं है। इस तरह किंगदाओ बैठक में इस्लामाबाद की ओर से जो दबाव था, वह ब्राजील शिखर सम्मेलन में नहीं होगा। लेकिन हर देश ने कोई न कोई रुख अपनाया है और यह अचानक नहीं बदलता। इसके लिए लगातार समझाने और तथ्यों को पेश करने की जरूरत होती है। किंगदाओ बैठक में राजनाथ सिंह और उनकी टीम एससीओ के सदस्यों को समझाने में पूरी तरह विफल रही। ब्राजील शिखर सम्मेलन में ऐसा नहीं दोहराया जाना चाहिए। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं। इन आठ दिनों में भारतीय राजनयिकों को सदस्य देशों से मिलकर उन्हें भारत के खिलाफ आतंकी हमलों में पाकिस्तान की संलिप्तता के बारे में पूरे तथ्यों के साथ भारतीय स्थिति के बारे में समझाने का पूरा प्रयास करना होगा। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका प्रमुख सदस्य हैं। शिखर सम्मेलन में किसी भी तरह की शर्मिंदगी से बचने के लिए उन्हें उचित जानकारी दी जानी चाहिए। इस साल के अंत में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के बारे में, क्षेत्र की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था दोनों के दृष्टिकोण से विचार–विमर्श बेहद महत्वपूर्ण होगा। अब अपने 25वें वर्ष में एससीओ अपने मूल छह संस्थापक सदस्यों से बढ़कर 10 सदस्य देशों, दो पर्यवेक्षक देशों और 14 संवाद भागीदारों के बड़े परिवार में बदल गया है–जो पूर्वी यूरोपीय मैदानों से लेकर हिंद महासागर और प्रशांत रिम तक फैला हुआ है, और जिसमें दुनिया की लगभग आधी आबादी शामिल है। एससीओ सूत्रों का कहना है कि यह संगठन क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग के लिए एक परिपक्व मंच बन गया है, जिसका प्रभाव, सामंजस्य और अपील लगातार बढ़ रही है। पिछले 25 वर्षों में, यह श्सुरक्षा का विशाल जहाजश आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ लहरों पर सवार होकर क्षेत्रीय सुरक्षा में उत्कृष्ट योगदान दे रहा है। सुरक्षा सहयोग से उभरने वाले आर्थिक और व्यापारिक लाभांश और लोगों के बीच आदान–प्रदान भी उल्लेखनीय रहे हैं, जो सभी पहलुओं में सदस्य देशों के लोगों को एक–दूसरे के करीब लाते हैं। भारत ने पिछले पांच वर्षों में अमेरिका प्रायोजित क्वाड के प्रति अपने प्रेम के कारण ब्रिक्स और एससीओ के कामकाज की उपेक्षा की है। अब जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प लगातार अपने बयानों का उल्लेख करके भारतीय प्रधानमंत्री को अपमानित कर रहे हैं, तो यह एक ऐसा संवेदनशील मुद्दा बन गया है, जिसके बारे में हम सभी जानते हैं। 10 मई को भारत–पाकिस्तान युद्ध विराम से अब तक ट्रम्प ने 18 बार भारतीय प्रधानमंत्री को अपमानित किया और यहां तक कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर के साथ लंच पर बातचीत भी की। अब हमारे प्रधानमंत्री को पिछले पांच वर्षों में अपनायी गयी अपनी विदेश नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। समय आ गया है कि भारत को ग्लोबल साउथ के लिए लड़ने के लिए ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और अन्य विकासशील देशों के साथ हाथ मिलाना चाहिए। देश का हित ग्लोबल साउथ के साथ है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नहीं भूलना चाहिए।

खूबसूरती इतनी जरूरी कि मर सकते..शेफाली जरीवाला की मौत पर रोजलिन खान ने उठाए सवाल, कहा- क्या काले लोग इंडस्ट्री में काम

एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला अब इस दुनिया में नहीं रहीं, जो अब है तो सिर्फ उनकी यादें। बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस की मौत हार्ट अटैक से हुई है, लेकिन उनकी मौत पर कई सवाल उठाए जा रहे हैं। एक दावा ये भी किया जा रहा है कि शेफाली ने व्रत रखा हुआ था और इसके कारण उनका ब्लड प्रेशर कम हुआ और उनकी जान चली गई। तो वहीं, ये भी कयास लगाया जा रहा है कि शेफाली जवान दिखने के लिए एंटी एजिंग ट्रीटमेंट ले रही थी, शायद इसी कारण उनकी मौत हो गई। इन सब अटकलों और दावों के बीच अब एक्ट्रेस रोजलिन खान का रिएक्शन सामने आया है। रोजलिन खान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर शेफाली जरीवाला की मौत पर कुछ सवाल उठाए हैं। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की और इसके साथ ही एक लंबा–चौड़ा नोट शेयर किया है। इसमें उन्होंने लिखा, 'कैंसर होने से पहले मैं ये थी क्या आपको नहीं लगता कि मैं इसे फिर से अचीव कर सकती हूं?' एक्ट्रेस ने लिखा, 'हां, मैं अपने डर्मेटोलॉजिस्ट के साथ ओजेम्पिक ले सकती हूं, जो भारत में मौजूद है। लेकिन मुझे साफ कहा गया था कि मरना है क्या सॉरी मैं मरना ट्राई नहीं करती..! और मेरे पास डॉक्टरों की एक टीम है, जो मुझे सलाह दे रही है..! यही शेफाली ने आजमाया था। डर्मेटोलॉजिस्ट के पास लिमिटेड ज्ञान है। साथ ही यहां छोटे–छोटे क्लिनिक में सस्ते सस्ते ग्लूटा लगा रहे हैं..! परिवार के नुकसान के लिए खेद है३ एक कट ऑफ पॉइंट है और आपको अपनी जान बचाने के लिए काफी पागल होने की जरूरत है।'रोजलिन ने आगे लिखा, 'मैंने मौत को उसके चेहरे पर लात मारी और भाग गई। मैं जानती हूं कि लाइफ जितना हम समझते हैं, उससे कहीं ज्यादा कीमती है. .! बेवकूफ लोग नाम, फेम और पैसे के लिए अपनी जिंदगी को खतरे में डाल देते हैं। खूबसूरती इतनी जरूरी है कि तुम उसके लिए मर सकते हो! सॉरी पर काले लोग क्या इंडस्ट्री में काम नहीं करते? शान से उम्र बढ़ाओ३! मरो मत, प्लीज अपने परिवार के बारे में सोचो।

जाह्नवी ने किया वरुण धवन का सपोर्ट, शेफाली जरीवाला की मौत को लेकर मीडिया कवरेज पर बुरी तरह भड़के थे एक्टर

एक्ट्रेस और मॉडल शेफाली जरीवाला के अचानक निधन ने हर किसी को सदमे में डाल दिया है। बीते दिन फैमिली ने एक्ट्रेस की अस्थियां विसर्जित कीं और इस दौरान उनका परिवार बेहद लाचार और बेबस दिखा। शेफाली की मौत के बाद उनकी अंतिम रस्मों के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं, जिस पर बीते दिन एक्टर वरुण धवन ने गुस्सा जाहिर किया था। वहीं, अब वरुण के बाद जाह्नवी कपूर ने भी एक्टर की इस बात का सपोर्ट किया है। जाह्नवी कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर वरुण धवन का पोस्ट को री–शेयर करते हुए लिखा, 'फाइनली किसी ने तो इस बारे में कहा।' एक्ट्रेस ने सिर्फ एक ही लाइन में कंफर्म कर दिया है कि वह भी वरुण धवन की बात से सहमत हैं। बता दें, शेफाली जरीवाला के निधन पर मीडिया ने जिस तरह कवरेज की, उससे वरुण धवन भड़क गए और उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था, 'फिर से एक और आत्मा को मीडिया ने असंवेदनशील तरीके से कवर किया है। मुझे ये समझ नहीं आता है कि आप लोगों को किसी का दुख कवर ही क्यों करना है? हर कोई इससे काफी अनकंफर्टेबल हो जाता है। इससे किसी को फायदा नहीं हो रहा है न?'एक्टर ने आगे कहा था, 'मीडिया और मेरे फ्रेंड्स से मैं यही रिक्वेस्ट करता हूं कि इस तरह से कोई भी अपने फ्यूनरल को कवर नहीं करना चाहेगा।' वरुण के इस पोस्ट को फैंस और सेलेब्स काफी सपोर्ट करते दिखे थे। वहीं, अब जाह्नवी कपूर ने भी इस पर अपना समर्थन दिखाया है। गौरतलब है कि शेफाली जरीवाला का निधन शुक्रवार की रात, 27 जून को हुआ था बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस की मौत हार्ट अटैक से हुई है। हालांकि, अभी सबको उनकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

फिल्मों से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती, आज मना रहीं 33वां बर्थडे

आज यानी की 01 जुलाई को अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती अपना 33वां जन्मदिन मना रही हैं। वह अपने करियर से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। रिया चक्रवर्ती को लोग उनकी फिल्मों और एक्टिंग के लिए कम और सुशांत सिंह राजपूत की वजह से ज्यादा जानते हैं। वह एक मॉडल, वीजे और एक्ट्रेस रही हैं। रिया चक्रवर्ती ने तेलुगु सिनेमा से अपनी शुरुआत करने के बाद बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम किया है। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर रिया चक्रवर्ती के जीवन से जुड़ी कुछ खास बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

कर्नाटक के बेंगलुरू में 01 जुलाई 1992 को रिया चक्रवर्ती का जन्म हुआ था। यह एक आर्मी बैकग्राउंड से ताल्लुक रखती हैं, क्योंकि इनके पिता इंडियन आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल थे।

फिल्मी सफर

रिया ने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की। उन्होंने साल 2009 में एमटीवी टीन दिवा में हिस्सा लिया था। जहां वो फर्स्ट रनरअप रही थीं। इसके बाद उन्होंने एमटीवी वीजे के रूप में काम किया। इस दौरान रिया ने कुछ एक टीवी शो भी होस्ट किए।

बॉलीवुड में किया डेब्यू

साल 2012 में रिया चक्रवर्ती ने तेलुगु फिल्म श्तुनीगा तुनीगाश से अपने करियर की शुरूआत की। इस फिल्म में रिया के साथ सुमंथ अश्विन मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद एक्ट्रेस ने बॉलीवुड में साल 2013 में आई फिल्म श्मेरे डैड की मारूति सेश डेब्यु किया था।

फिल्में

रिया चक्रवर्ती ने साल 2014 में श्सोनाली केबलश, साल 2017 श्बैंक चोरश, साल 2017 में श्हाफ गर्लफ्रेंडश, साल 2017 में श्दोबाराश और साल 2018 श्जलेबीश जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि इनमें से किसी भी फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर सफलता नहीं मिली। वहीं साल 2018 के बाद तीन साल के लंबे गैप के बाद एक्ट्रेस साल 2021 में आई फिल्म श्चेहरेश में नजर आई थी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। लेकिन यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी।

पांच साल बाद मिली क्लीन चिट

साल 2020 में एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती की जिंदगी बदल गई। क्योंकि रिया और सुशांत के अफेयर की चर्चाएं थीं। इसलिए जब सुशांत सिंह राजपूत ने सुसाइड किया तो अचानक रिया लोगों के निशाने पर आ गईं। वहीं सुशांत के मामले में रिया पुलिस की रडार पर भी आ गईं। वहीं रिया चक्रवर्ती का नाम ड्रग्स मामले में आ गया। जिसके कारण एनसीबी ने उनको गिरफ्तार कर लिया था। 5 साल तक चली जांच के बाद ब्ढ ने सुशांत मामले में रिया को क्लीन चिट दे दी। लेकिन इन 5 सालों में रिया चक्रवर्ती ने काफी कुछ झेला। उनको फिल्मों को ऑफर आने बंद हो गए।

करीना कपूर खान ने अपनी पहली फिल्म त्मनिहमम के 25 साल पूरे होने पर तस्वीरें साझा कीं

जे. पी. दत्ता द्वारा निर्देशित रिफ्यूजी (2000) आज से 25 साल पहले सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई थी, जिसने दुनिया को एक नहीं बल्कि दो भावी सितारों से परिचित कराया। हम करीना कपूर खान और अभिषेक बच्चन की बात कर रहे हैं, जिन्होंने आने वाले वर्षों में अभिनेताओं के रूप में खुद को विकसित किया है और अपने असाधारण कौशल और बेजोड़ ऑन–स्क्रीन पहचान से लोगों को चकित किया है। बेबो ने इस महत्वपूर्ण करियर मील के पत्थर के सम्मान में फिल्म से मनमोहक तस्वीरें पोस्ट की हैं, साथ ही कैप्शन लिखा है, ष्25 साल और हमेशा के लिए जाने वाले हैं... दिल, इंद्रधनुष और अनंत इमोटिकॉन्स के साथ।ष आइए इस महत्वपूर्ण अवसर के सम्मान में रेडिफ डॉट कॉम के लिए सुकन्या वर्मा के साथ करीना के पहले साक्षात्कार में वापस जाएं। करीना कपूर खान हमेशा से ही बॉलीवुड की असली दिवा रही हैं। पिछले कुछ सालों में, वे निजी और पेशेवर दोनों ही तरह से विकसित हुई हैं। हालाँकि, 25 साल पहले लिए गए अपने पहले इंटरव्यू में भी यह सुंदरी उतनी ही आशावादी थी, जितनी कि अब है। थोड़ी चिंतित, लेकिन खुद पर बहुत भरोसा। जब उनसे पूछा गया कि इतनी कम उम्र में काम करने के बारे में उन्हें कैसा लगता है, तो एक व्यापक रूप से शेयर किए गए इंटरव्यू क्लिप में पूछा गया। अपने पहले इंटरव्यू में, करीना ने मुस्कुराते हुए कहा, ष्मुझे कुछ भी महसूस नहीं होता है, इसलिए मैं... मुझे नहीं पता कि क्या कहना है। एवी देखने के बाद, मुझे क्या महसूस हुआ? हाँ, मुझे लगा कि फिल्म बहुत बड़ी सफलता हासिल करने वाली है, और हम सभी की सराहना की जाएगी क्योंकि हम सभी ने बहुत मेहनत की है, और बस इतना ही। खान ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर सह–कलाकार बच्चन के साथ फिल्म की कई तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, 25 साल और हमेशा के लिए। फिल्म में बच्चन ने एक अनाम भारतीय मुस्लिम का किरदार निभाया था। इसमें जैकी श्रॉफ, सुनील शेट्टी और अनुपम खेर भी प्रमुख भूमिकाओं में थे। हम करीना को इंडस्ट्री में 25 साल पूरे होने पर ढेरों बधाई देते हैं। अब हम बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं कि करीना अपनी अगली फिल्म की घोषणा करेंगी!

Panchayat 4 में सचिव जी को रिंकी ने क्यों नहीं किया किस...? एक्ट्रेस सान्विका ने बताई पर्दे के पीछे की कहानी...

सीरीज पंचायत के लेटेस्ट सीजन ने प्रशंसकों को प्रभावित करने में कामयाबी हासिल की है। पिछले हफ़्ते रिलीज़ होने के बाद से ही पंचायत सीजन 4 सोशल मीडिया पर ट्रेंडिंग टॉपिक बना हुआ है। लेटेस्ट सीजन में जीतेंद्र कुमार के सचिव जी और सान्विका उर्फ रिंकी के बीच किसिंग सीन को लेकर भी चर्चा हुई। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में सान्विका ने खुलासा किया कि वह इस सीन को लेकर सहज नहीं थीं।

सांविका ने पंचायत 4 के किसिंग सीन के बारे में खुलकर बात की

जस्ट टू फिल्मी से बातचीत के दौरान सान्विका ने बताया कि स्क्रिप्ट पर चर्चा के दौरान किसिंग सीन का सुझाव दिया गया था। उन्होंने कहा, ष्शुरुआत में, जब नैरेशन पूरा हो गया तो किसी ने कुछ नहीं कहा। लेकिन फिर, निर्देशक अक्षत ने मुझसे बात की। उन्होंने कहा कि इस सीजन में हम एक किसिंग सीन चाहते हैं और उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने एक सीन डाला है जिसमें सचिव जी और रिंकी किस करेंगे। प्रस्ताव पर विचार करने के बाद, उन्होंने अपने कम्फर्ट लेवल पर विचार करने के लिए दो दिन का समय लिया, खासकर शो के पारिवारिक दर्शकों को देखते हुए। उन्होंने कहा, मुझे इस बात की चिंता थी कि लोग कैसे प्रतिक्रिया देंगे और मैं सहज भी नहीं थी। इसलिए मैंने उस समय मना कर दिया। अभिनेत्री ने दृश्य के साथ असहजता व्यक्त की, जिसके कारण निर्माताओं ने इसे अंतिम स्क्रिप्ट से सम्मानपूर्वक हटा दिया। हाल ही में एक साक्षात्कार में, सान्विका ने साझा किया कि कैसे वह अपने परिवार को बताए बिना अपने अभिनय करियर को शुरू करने के लिए अकेले मुंबई आई थी। उन्होंने कहा कि उसे हमेशा इस बात पर गर्व रहा है कि उसने क्या किया और कैसे उसने खुद को वह व्यक्ति बनाया जो वह अब है। हालांकि, इस समय किसिंग सीन जैसी कुछ चीजें उन्हें असहज कर सकती हैं, खासकर इस बात को ध्यान में रखते हुए कि यह एक पारिवारिक शो है और उनका परिवार भी दर्शकों का हिस्सा हो सकता है।

पंचायत सीजन 5 कब रिलीज़ होगा?

इससे पहले, सान्विका ने पुष्टि की, पंचायत सीजन 5 के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है, उन्होंने पुष्टि की। उम्मीद है, शायद अगले साल के मध्य तक या अगले साल किसी समय, यह रिलीज़ हो जाएगा। और हम सीजन 5 की शूटिंग इस साल के अंत में या अगले साल शुरू करने की संभावना रखते हैं। लेखन पहले ही शुरू हो चुका है। इसलिए एक बार लेखन पूरा हो जाने के बाद, हम शूटिंग शुरू कर देंगे।

Morning Detox Drinks पीकर भी नहीं दिख रहा कोई असर, कहीं आप तो नहीं कर रहीं ये तीन बड़ी गलतियां

आजकल हर कोई अपनी हेल्थ को लेकर थोड़ा ज्यादा सजग हो गया है और इसलिए अमूमन लोग अपने दिन की शुरुआत डिटॉक्स ड्रिंक के साथ करते हैं। जहां कुछ लोग सुबह गर्म पानी में नींबू निचोड़कर पीते हैं तो कुछ लोगों को जीरा, अजवाइन पानी पीना अच्छा लगता है। इस तरह की डिटॉक्स ड्रिंक हेल्थ के लिए काफी अच्छी मानी जाती है। लोग यह सोचते हैं कि इससे उनका मेटाबॉलिज्म बूस्ट होगा, वजन कम करने में मदद मिलेगी, डाइजेशन पर अच्छा असर पड़ेगा और वे पूरा दिन अधिक लाइट व एक्टिव फील करेंगे। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि मार्निंग डिटॉक्स ड्रिंक सेहत के लिए काफी अच्छी मानी जाती हैं। लेकिन वास्तव में इनका फायदा तभी मिलता है, जब इनका सेवन सही तरह से किया जाए। अक्सर लोग डिटॉक्स ड्रिंक लेते समय कुछ छोटी–छोटी गलतियां कर बैठते हैं, जिसकी वजह से सेहत पर उल्टा असर पड़ सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको डिटॉक्स ड्रिंक लेते समय की जाने वाली कुछ ऐसी ही छोटी–छोटी गलतियों के बारे में बता रहे हैं–

शहद या नींबू को उबलते पानी में डालना

अक्सर लोग डिटॉक्स ड्रिंक के नाम पर पानी को उबालते हैं और उसमें तुरंत नींबू या शहद मिक्स कर देते हैं। हालांकि, ऐसे में ज़्यादा गर्मी से शहद के पोषक तत्व खराब हो जाते हैं और ये शरीर के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है। नींबू में मौजूद विटामिन सी भी तेज़ गर्मी में टूट जाता है। इसलिए, हमेशा इन्हें हल्के गुनगुने पानी में मिक्स करें। अगर आप चाहें तो सादे पानी में भी इसे मिक्स कर सकते हैं।

एक साथ बहुत ज्यादा इंग्रीडिएंट्स मिक्स करना

कुछ लोग एक ही गिलास डिटॉक्स ड्रिंक से सारा फायदा उठा लेना चाहते हैं और इसलिए उसमें दालचीनी से लेकर अदरक, हल्दी, चिया सीड्स, नींबू, पुदीना, जीरा जैसे कई इंग्रीडिएंट्स मिक्स कर देते हैं। हालांकि, ऐसा करना बिल्कुल भी अच्छा नहीं माना जाता है। जब आप एक साथ कई इंग्रीडिएंट्स को मिक्स करते हैं तो इससे पेट कन्फ्यूज हो जाता है। जिससे सेहत को फायदे की जगह नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

एकदम खाली पेट लेना

यह सच है कि डिटॉक्स ड्रिंक को खाली पेट लिया जाता है, लेकिन सुबह–सुबह उठते ही डिटॉक्स ड्रिंक लेने से बचना चाहिए। दरअसल, सुबह–सुबह पेट में तेज़ एसिड बनता है, और अगर उसी टाइम डिटॉक्स ड्रिंक पी लिया तो जलन, गैस या मिचली की समस्या हो सकती है। खासकर अगर आपको पेट की प्रॉब्लम है, तो ऐसे में बिल्कुल खाली पेट डिटॉक्स ड्रिंक लेने से बचना चाहिए। बेहतर होगा कि इससे पहले आप थोड़ा सादा पानी पी लें या फिर कोई फल का छोटा टुकड़ा खा लें।

एनर्जी, डिटॉक्स और ग्लोइंग स्किन, Matcha के फायदे जानकर आप ग्रीन टी पीना छोड़ देंगे

माचा इन दिनों सोशल मीडिया पर छाया हुआ है, हर कोई इसके बारे में बात कर रहा है। लेकिन ये सिर्फ एक ट्रेंड नहीं, बल्कि सेहत का खजाना है। यह कोई आम हरी चाय नहीं, बल्कि हरी चाय की पत्तियों का बारीक पीसा हुआ पाउडर है, जिसे पीने से आप पूरी पत्ती के पोषक तत्वों का फायदा उठाते हैं। माचा में एंटीऑक्सिडेंट्स की मात्रा बेहद अधिक होती है, जो शरीर को डिटॉक्स करने, इम्युनिटी बढाने और मेटाबॉलिज्म को तेज करने में मदद करता है। अगर आप दिन की शुरुआत एनर्जी और फोकस के साथ करना चाहते हैं, तो माचा आपकी डाइट में जरूर शामिल होना चाहिए। आइए जानते हैं माचा पीने के बेहतरीन फायदे, जो इसे सुपरफूड बनाते हैं।

एंटीऑक्सिडेंट्स का पावरहाउस

माचा में कैटेचिन नामक एंटीऑक्सिडेंट बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है, खासकर म्ळब्ळ (म्चपहंससवबंजमबीपद ळंससंजम) जो शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने और सेल्स को डैमेज से बचाने में मदद करता है। यह स्किन, बाल और इम्यून सिस्टम के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है

माचा शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिससे कैलोरीज तेजी से बर्न होती हैं। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो माचा आपके लिए नेचुरल हेल्पर बन सकता है।

फोकस और एनर्जी बढाता है

माचा में कैफीन तो होता है, लेकिन यह धीरे–धीरे रिलीज होता है। इसलिए आपको एनर्जी और फोकस लंबे समय तक बना रहता है, बिना किसी 'कैफीन क्रैश' के। इसमें स–जीमंदपदम नामक अमीनो एसिड भी होता है, जो दिमाग को शांत और केंद्रित रखने में मदद करता है।

दिल और लिवर की सेहत के लिए फायदेमंद

अध्ययनों से पता चला है कि माचा का नियमित सेवन कोलेस्ट्रॉल को बैलेंस करने और लिवर की कार्यक्षमता को सुधारने में मदद करता है, जिससे हार्ट और लिवर दोनों की सेहत बेहतर बनी रहती है।

स्किन को ग्लोइंग बनाता है

माचा में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण स्किन को साफ, जवान और चमकदार बनाए रखने में मदद करते हैं। यही कारण है कि कई स्किन केयर प्रोडक्ट्स में भी माचा का इस्तेमाल किया जाता है।

ऐसे पैरों वाली महिलाएं अपने पति के लिए होती हैं साक्षात लक्ष्मी, इनके कदमों से ससुराल होता है धन-धान्य से भरपूर

महिलाओं को मां लक्ष्मी का रूप माना जाता है और विवाह के बाद उन्हें गृह लक्ष्मी का दर्जा मिलता है। यह माना जाता है कि जिस घर में महिलाएं होती हैं, वहां कभी भी किसी चीज की कमी नहीं होती और घर हमेशा खुशहाल रहता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हस्तरेखा विज्ञान और सामुद्रिक शास्त्र में महिलाओं के पैरों को लेकर कुछ खास बातें बताई गई हैं जो उन्हें अन्य स्त्रियों से थोड़ा अलग बनाती हैं? हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, महिलाओं के पैरों की बनावट और आकार से यह जाना जा सकता है कि उनका भविष्य और स्वभाव कैसा होगा। छोटे, बड़े, मोटे, लंबे, चौड़े पैरों को लेकर हस्तरेखा विज्ञान में कई मान्यताएं हैं, जिनसे यह पता चल सकता है कि आने वाला समय आपके लिए कैसा होगा।

पैरों की बनावट से भविष्य का पता चलेगा

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, किसी भी स्त्री के पैरों की बनावट और आकार से यह जानना संभव है कि उनका भविष्य कैसा होगा। यहां हम कुछ ऐसी खास विशेषताओं के बारे में बता रहे हैं, जो महिलाओं के पैरों से जुड़ी हैं और जो उनके जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली का संकेत देती हैं।

मुलायम और समान तलवों वाली महिलाएं जीवन में सुखी रहती हैं

अगर किसी महिला के पैरों के तलवे बहुत मुलायम और समान होते हैं, तो ऐसी महिलाएं जीवन में खूब सुख और समृद्धि का अनुभव करती हैं। ये महिलाएं परिवार को साथ लेकर चलना पसंद करती हैं और हमेशा दूसरों की मदद करने के लिए तैयार रहती हैं।

मुलायम तलवों वाली महिलाएं आमतौर पर संगीत, कला या अन्य रचनात्मक कार्यों में रुचि रखती हैं। उनका जीवन खुशहाल होता है और वे अपने आसपास के वातावरण को भी सुखद बनाए रखने का प्रयास करती हैं। इस स्वभाव के कारण ये महिलाएं अपने परिवार और समाज में हमेशा सम्मानित और खुश रहती हैं।

जुड़ी हुई उंगलियों वाली महिलाएं साक्षात लक्ष्मी होती हैं

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, जिन महिलाओं की उंगलियां कोमल और आपस में जुड़ी हुई होती हैं, वे जीवन में शुभ फल प्राप्त करती हैं। इन महिलाओं का व्यक्तित्व मिलनसार होता है और वे दूसरों के भावनाओं को गहराई से समझने में सक्षम होती हैं। जिन महिलाओं की उंगलियां जुड़ी हुई होती हैं, वे परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाने में तत्पर रहती हैं और अपने पति के लिए साक्षात लक्ष्मी मानी जाती हैं। इस प्रकार की महिलाएं विवाह के बाद बहुत सुखी जीवन व्यतीत करती हैं और उनके परिवार में कभी भी ध ान–धान्य की कमी नहीं होती।

चिकने, मुलायम और गुदगुदे पैरों वाली महिलाएं भाग्यशाली होती हैं

जिन महिलाओं के पैरों का ऊपरी हिस्सा चिकना, मुलायम और गुदगुदा होता है, उन्हें भी बहुत भाग्यशाली माना जाता है। माना जाता है कि ये महिलाएं अपने जीवनसाथी के लिए साक्षात लक्ष्मी होती हैं और उनके विवाह के बाद घर में समृद्धि और सुख–शांति का वास होता है।

धनवान जीवनसाथी पाने वाली महिलाएं

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, जिन महिलाओं के पैरों में शंख, कमल, ध्वजा या मछली का चिन्ह बना हो, उन्हें ध ानवान और सौभाग्यशाली जीवनसाथी मिलता है। इन महिलाओं का वैवाहिक जीवन बेहद खुशहाल होता है और वे समाज में भी खूब सम्मान प्राप्त करती हैं। ऐसी महिलाओं के लिए जीवन में किसी चीज की कमी नहीं होती और वे परिवार को साथ लेकर चलना पसंद करती हैं। उनके लिए यह चिन्ह एक विशेष संकेत होते हैं कि उनका वैवाहिक जीवन सुख और समृद्धि से भरा हुआ होगा।

हस्तरेखा विज्ञान और सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, महिलाओं के पैरों की बनावट और आकार से उनके जीवन के बारे में कुछ खास बातें जानी जा सकती हैं। यह उनके भविष्य, स्वभाव, और जीवनसाथी के बारे में संकेत देता है। इसलिए, अगर आप भी जानना चाहते हैं कि आपकी किस्मत और जीवन कैसा होगा, तो अपने पैरों के बारे में ध्यान से सोचें और इनके संकेतों को समझने की कोशिश करें।

माता-पिता की एक गलती से टूटा बच्ची का हाथ, डॉक्टर बोले- ऐसा करना पड़ सकता है भारी

छोटे बच्चों की देखभाल बहुत ही जिम्मेदारी भरा काम होता है। इस उम्र में बच्चों की हड्डियां और इम्युनिटी बहुत नाजुक होती हैं। ऐसे में उन्हें गोद में उठाने या दूध पिलाने जैसे काम भी बहुत ध यान से करने चाहिए। अगर जरा सी भी लापरवाही हो जाए तो वह बच्चे के लिए नुकसानदायक हो सकती है। हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसमें माता–पिता की एक छोटी सी गलती की वजह से एक बच्ची का हाथ टूट गया।

डॉक्टर पवन मंडाविया ने बताया क्या हुआ बच्ची के साथ

चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉक्टर पवन मंडाविया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने एक बच्ची का केस बताया, जिसे गोद में गलत तरीके से उठाने की वजह से चोट लग गई थी। डॉक्टर ने बताया कि बच्ची को उसके सीधे हाथ से खींचकर उठाया गया था जिसकी वजह से उसकी कोहनी (एल्बो) की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया। डॉ. पवन मंडाविया ने बताया कि बच्चों को उठाते समय अगर उन्हें कंधे से सहारा न दिया जाए, और सीधे हाथ या कलाई पकड़कर खींचा जाए, तो उनके एल्बो जॉइंट के डिसलोकेट होने का खतरा रहता है। यह स्थिति बहुत दर्दनाक हो सकती है और कई बार फ्रैक्चर की भी नौबत आ सकती है, जैसा कि इस बच्ची के साथ हुआ।

बच्चों को कैसे उठाएं? जानिए सही तरीका

डॉ. मंडाविया सलाह देते हैं कि जब भी माता–पिता अपने छोटे बच्चे को गोद में उठाएं, तो कभी भी हाथ या कलाई से पकड़कर न उठाएं। हमेशा बच्चे के कंधे या बगल के नीचे से सहारा देते हुए उसे धीरे–धीरे उठाएं। इससे हड्डियों पर जोर नहीं पड़ेगा और बच्चा सुरक्षित रहेगा।

7 महीने का बच्चा क्यों नहीं बैठता? जानिए कारण

एक अन्य वीडियो में डॉक्टर पवन मंडाविया ने एक आम सवाल का जवाब दिया। एक महिला ने पूछा कि उसका बच्चा 7 महीने का हो चुका है लेकिन अभी तक बैठ नहीं पाता। क्या यह सामान्य है? डॉ. मंडाविया ने बताया कि बच्चे को बैठने के लिए उसकी पीठ की मांसपेशियों (बैक मसल्स) का मजबूत होना जरूरी है। अगर पीठ कमजोर है, तो बच्चा खुद से बैठ नहीं पाएगा।

कैसे पता करें कि बच्चा बैठने के लिए तैयार है?

डॉक्टर ने एक आसान तरीका बताया जिससे माता–पिता जान सकते हैं कि उनका बच्चा बैठने के लिए तैयार है या नहीं। बच्चे को पीठ के बल लिटाएं, फिर धीरे–धीरे उसके दोनों हाथ पकड़कर उसे ऊपर उठाने की कोशिश करें। अगर बच्चा खुद से थोड़ा ऊपर आने लगे, तो समझिए कि वह बैठने के लिए तैयार है। अगर वह ऊपर नहीं आ पा रहा है, तो उसकी पीठ की मांसपेशियां अभी कमजोर हैं।

बैक मसल्स मजबूत करने के लिए दें टमी टाइम

अगर बच्चा ऊपर नहीं उठ पा रहा है, तो आप उसे टमी टाइम देना शुरू करें। टमी टाइम का मतलब है बच्चे को दिन में कुछ समय पेट के बल लिटाना। इससे उसकी गर्दन, कंधे और पीठ की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, जो आगे चलकर बैठने और चलने में मदद करती हैं।

छोटे बच्चों को संभालना जितना प्यारा लगता है, उतना ही जिम्मेदारी भरा भी होता है। माता–पिता को चाहिए कि वे हर कदम बहुत सोच–समझकर उठाएं, खासतौर पर जब बच्चे को गोद में लें या बैठने की प्रैक्टिस कराएं। सही देखभाल से न सिर्फ बच्चे की ग्रोथ बेहतर होगी, बल्कि उसे किसी भी तरह की चोट से भी बचाया जा सकेगा।

पैसे बचाने के चक्कर में घर पर ही बनाती हैं मेकअप प्रोडक्ट्स, इन गलतियों से स्किन को हो सकता है भारी नुकसान

अपनी स्किन की खूबसूरती को निखारने के लिए अक्सर हम सभी मेकअप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन मार्केट में मिलने वाले मेकअप प्रोडक्ट्स ना केवल महंगे होते हैं, बल्कि इनमें कई तरह के केमिकल्स का भी इस्तेमाल किया जाता है। जिससे स्किन पर नेगेटिव असर पड़ता है। ऐसे में घर पर ही मेकअप प्रोडक्ट्स बनाना अच्छा विचार होता है। इनमें ना केमिकल्स होते हैं और ना ही कोई प्रिज़रवेटिव, जिसकी वजह से आपकी स्किन भी सेफ रहती है। घर पर मेकअप प्रोडक्ट्स बनाना यकीनन अच्छा आइडिया है, लेकिन इसे सही तरह से बनाना बेहद जरूरी है। अक्सर घर पर मेकअप प्रोडक्ट्स बनाते समय हम कुछ छोटी–छोटी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे ना केवल मेकअप प्रोडक्ट खराब होता है, बल्कि स्किन पर रैशेज़, पिंपल्स या जलन भी हो सकती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको घर पर ही मेकअप प्रोडक्ट्स बनाते समय कुछ छोटी–छोटी गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको बचना चाहिए–

अपनी स्किन टाइप का ध्यान ना रखना

जब आप मेकअप प्रोडक्ट घर पर बना रही हैं तो आपको अपनी स्किन टाइप का खास ख्याल रखना चाहिए। अक्सर लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे स्किन को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। मसलन, अगर आपकी स्किन ड्राई है और ऑयली प्रोडक्ट्स स्किन पर लगाती हैं तो इससे चेहरे पर पिंपल, रूखापन या रैशेज हो सकते हैं। इसी तरह, नारियल तेल ड्राय स्किन के लिए अच्छा है, लेकिन ऑयली स्किन पर लगाने से पोर्स बंद हो जाते हैं। इसलिए, सबसे पहले अपनी स्किन टाइप समझो, फिर उसी हिसाब से चीज़ें चुनो।

पैच टेस्ट ना करना

भले ही आप घर पर मेकअप प्रोडक्ट बना रही हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप इसे पूरी तरह से सुरक्षित समझें। कई बार घर पर बने मेकअप प्रोडक्ट्स भी आपकी स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए कभी भी नया होममेड मेकअप प्रोडक्ट सीधे चेहरे पर लगाने की गलती ना करें। इससे एलर्जी, जलन या रेडनेस हो सकती है या फिर स्किन छिल भी सकती है। बेहतर होगा कि आप किसी भी नए प्रोडक्ट को पहले बाजू के अंदर या कान के पीछे लगाकर 24 घंटे देखो। इसके बाद ही इसे इस्तेमाल करें।

प्रिज़र्वेटिव को स्किप करना

होममेड मेकअप प्रोडक्ट्स बनाते समय प्रिजर्वेटिव्स का इस्तेमाल करना जरूरी होता है। कई बार लोग बिना प्रिज़र्वेटिव के क्रीम, जेल या ग्लॉस बनाकर स्टोर कर लेते हैं, जिससे कुछ ही दिनों में बदबू आने लगती है, फंगस भी हो सकता है।

संक्षिप्त

सस्ता हुआ एलपीजी गैस सिलेंडर, जानें आपके शहर का रेट

तेल विपणन कंपनियों ने घोषणा की कि 19 किलोग्राम वाले एलपीजी वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमतों में 58.50 रुपये की कमी की जाएगी, जिससे नई दर 1,665 रुपये हो जाएगी, जो 1 जुलाई 2025 से प्रभावी होगी। संशोधित कीमतें रेस्तरां, होटल और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को बहुत जरूरी राहत प्रदान करेंगी जो अपने दैनिक कार्यों के लिए 19 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर पर बहुत अधिक निर्भर हैं।

संशोधित दरें यहां देखें

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की वेबसाइट के अनुसार, एलपीजी की नई कीमतें 1 जुलाई 2025 से लागू हो गई हैं। प्रमुख शहरों में 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत कम कर दी गई है, जिससे वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं को राहत मिली है।

संशोधित कीमतों का विवरण इस प्रकार है

दिल्ली : 1,723.50 रुपये से घटकर 1,665.00 रुपये – 58.50 रुपये की कटौती

कोलकाता : 1,826.00 रुपये से घटकर 1,769.00 रुपये – 57.00 रुपये की कटौती

मुंबई : 1,674.50 रुपये से घटकर 1,616.50 रुपये – 58.00 रुपये की कटौती

चेन्नई : 1,881.00 रुपये से घटकर 1,823.50 रुपये – 57.50 रुपये की कटौती

गौरतलब है कि वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतों में यह लगातार चौथी बार मासिक कटौती है। इससे पहले जून में एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 24 रुपये की कटौती की गई थी। उससे पहले एक मई को कीमतों में 14.50 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई थी और अप्रैल में कीमतों में 41 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की गई थी।

रेमंड रियल्टी लिमिटेड के शेयर विलय प्रक्रिया के बाद शेयर बाजारों में सूचीबद्ध

रेमंड रियल्टी लिमिटेड के शेयर विलय प्रक्रिया के बाद मंगलवार को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हो गए। बीएसई पर शेयर ने 1,005 रुपये पर शुरुआत की। बाद में यह शुरुआती कीमत से 4.99 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,055.20 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर 1,000 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में पांच प्रतिशत चढ़कर 1,050 रुपये पर पहुंच गया। रेमंड रियल्टी का बाजार मूल्यांकन 6,564.84 करोड़ रुपये रहा। कंपनी देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से है। यह रेमंड समूह का हिस्सा है। रेमंड लिमिटेड 2024 में अपने लाइफस्टाइल कारोबार को एक अलग सूचीबद्ध इकाई में विभाजित करने के बाद रियल एस्टेट खंड को एक अलग सूचीबद्ध इकाई में बदल रही है। यह अब केवल इंजीनियरिंग कारोबार पर ध्यान केंद्रित करेगी।

कल्पतरु लिमिटेड का शेयर सपाट शुरुआत के बाद नौ प्रतिशत से अधिक चढ़ा

रियल एस्टेट कंपनी कल्पतरु लिमिटेड के शेयर ने 414 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले मंगलवार को बाजार में सपाट शुरुआत की, लेकिन जल्द ही वापसी करते हुए यह नौ प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। बीएसई पर शेयर ने 414.10 रुपये पर शुरुआत की। बाद में इसमें तेजी आई और यह निर्गम मूल्य के मुकाबले 9.42 प्रतिशत चढ़कर 453 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर निर्गम मूल्य 414 रुपये पर ही सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 9.37 प्रतिशत चढ़कर 452.80 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन शुरुआती कारोबार के दौरान 9,121.99 करोड़ रुपये रहा। कल्पतरु लिमिटेड के आरंभिक शेयर निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन गत बृहस्पतिवार को 2.26 गुना अभिदान मिला था। कंपनी का आईपीओ पूरी तरह से 1,590 करोड़ रुपये के नए शेयर का निर्गम है, जिसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई घटक शामिल नहीं है। आईपीओ के लिए 387–414 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था। आईपीओ से हासिल राशि का इस्तेमाल ऋण भुगतान और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किए जाने का प्रस्ताव है।

फाउंडर करते रह गए 70 घंटे काम की सिफारिश, मैनेजमेंट की कर्मचारियों को दो टूक– ज्यादा वर्क लोड नहीं लेना

संस्थापक नारायण मूर्ति के 70 घंटे के कार्य सप्ताह के सुझाव के विपरीत, इन्फोसिस अपने कर्मचारियों से श्वर्क लाइफ बैलेंसश बनाए रखने को कह रही है तथा उन्हें ओवरटाइम काम करने के खिलाफ चेतावनी दे रही है। एक आंतरिक अभियान में बेंगलुरु मुख्यालय वाली कंपनी ने कर्मचारियों को व्यक्तिगत रूप से ईमेल भेजे, जिसमें उनसे नियमित कार्य घंटों का पालन करने का आग्रह किया गया। एक कर्मचारी ने इकोनॉमिक टाइम्स को बताया हमें सप्ताह में पांच दिन 9.15 घंटे काम करना होता है और अगर हम दूर से काम करते हुए इस सीमा को पार कर जाते हैं, तो यह ट्रिगर को बढ़ावा देता है। इस व्यक्तिगत मेल को प्राप्त करने वालों को यह भी बताया जा रहा है कि उनके पिछले महीने के औसत कार्य घंटे कंपनी की मानक सीमा से अधिक थे। मानव संसाधन विभाग कर्मचारी के कार्य घंटों पर नजर रखता है तथा यदि किसी कर्मचारी ने एक महीने में घर से काम करते हुए अधिक समय बिताया है तो उसे ई–मेल भेजता है। ईमेल में कथित तौर पर कर्मचारियों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने और कार्य–जीवन संतुलन बनाए रखने की याद दिलाई गई है, ताकि वे दीर्घकाल में काम पर अपनी प्रभावशीलता और सफलता सुनिश्चित कर सकें। एचआर द्वारा भेजे गए ईमेल का हवाला ईटी ने दिया है। जिसमें कहा गया है कि हम आपकी प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं, लेकिन हम यह भी मानते हैं कि स्वस्थ कार्य–जीवन संतुलन बनाए रखना आपकी भलाई और दीर्घकालिक व्यावसायिक सफलता दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में दो बदलाव संभव, नीतीश–कुलदीप की हो सकती है एंट्री

एजबेस्टन। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला बुधवार से बर्मिंघम के एजबेस्टन में खेला जाएगा। लीड्स में हार के बाद भारतीय टीम में बदलाव को लेकर काफी बातें हो रही हैं। खुद सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे भी इस बारे में बात कर चुके हैं। ऐसे में एजबेस्टन में भारतीय प्लेइंग–11 में दो बदलाव देखने को मिल सकते हैं। जसप्रीत बुमराह को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया जा सकता है, जबकि शार्दुल ठाकुर को भी बाहर किया जा सकता है। इनकी जगह नीतीश रेड्डी, कुलदीप यादव और अर्शदीप सिंह में से किसी दो की एंट्री हो सकती है। डेशकाटे ने दो स्पिनरों के साथ जाने की रणनीति को सही बताया था। वहीं, दूसरी तरफ इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग–11 की घोषणा सोमवार को ही कर दी। कोच ब्रैंडन मैकुलम और टीम मैनेजमेंट ने विनिंग कॉम्बिनेशन के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं किया है। वही टीम खेलेगी जो लीड्स में खेली थी।

बुमराह को छोड़कर बाकी गेंदबाज नहीं कर पाए कमाल

दरअसल, लीड्स में इंग्लैंड से पांच विकेट से हार के बाद बुमराह को तीन ही टेस्ट खिलाने की बात कही गई थी। ऐसे में उनको इस टेस्ट में आराम देकर, अगले में मौका दिया जा सकता है। लीड्स में पहली पारी में पांच विकेट लेने के बाद, दूसरी पारी में वह कोई विकेट नहीं ले पाए थे। हार के बाद कोच गंभीर ने बुमराह के तीन टेस्ट खेलने की रणनीति में कोई बदलाव नहीं करने की बात कही थी। यह देखने वाली बात होगी कि भारतीय टीम एजबेस्टन में दो स्पिनर्स के साथ उतरता है या तीन मुख्य तेज गेंदबाजों को मौका देता है या फिर दोनों संयोजन को बनाता है। मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा भी पिछले टेस्ट में कोई छाप नहीं छोड़ पाए थे। प्रसिद्ध काफी महंगे साबित हुए थे, जबकि सिराज को दूसरी पारी में विकेट के लिए जूझना पड़ा था। ऐसे में टीम मैनेजमेंट इनमें से एक की जगह आकाश दीप को मौका देने पर भी विचार कर सकता है। आकाश स्विंग और सीम कराने में माहिर हैं और वह एजबेस्टन में उपयोगी साबित हो सकते हैं। हालांकि, सिराज और प्रसिद्ध के पास अनुभव है और बुमराह की गैरमौजूदगी में एक पूरी नई गेंदबाजी लाइन अप को रखने का जोखिम टीम मैनेजमेंट नहीं उठाना चाहेगा।

भारत का दो स्पिनर्स के साथ मैदान पर उतरना लगभग तय

अगर टीम मैनेजमेंट दो स्पिनर्स को खिलाता है तो बुमराह की जगह कुलदीप का खेलना तय है। ऐसे में जडेजा और कुलदीप स्पिनर्स की भूमिका निभाएंगे, जबकि तेज गेंदबाजी का जिम्मा सिराज और प्रसिद्ध पर होगा। वहीं, शार्दुल ठाकुर

की जगह नीतीश रेड्डी को मौका दिया जा सकता है और वह तीसरे तेज गेंदबाज की भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, अगर टीम मैनेजमेंट दो स्पिनर को रखने पर सहमत नहीं होता है तो बुमराह की जगह अर्शदीप या आकाश दीप में से किसी एक को खिलाया जा सकता है, जो कि सिराज और प्रसिद्ध का साथ देते दिखेंगे। हालांकि, डेशकाटे खुद ही स्वीकार कर चुके हैं कि पहले टेस्ट में कुलदीप की कमी खली थी। ऐसे में भारत का दो स्पिनर्स के साथ उतरना तय माना जा रहा है। जडेजा ने एजबेस्टन में 2022 में खेले गए भारत–इंग्लैंड टेस्ट में शतक जड़ा था। उनका अनुभव काम आ सकता है। ऐसे में टीम उनकी बदलकर वॉशिंगटन सुंदर को लाने का जोखिम नहीं उठाना चाहेगी। हालांकि, डेशकाटे ने कहा था– हम बल्लेबाजी की गहराई बनाए रखना चाहते हैं, साथ ही टीम का संतुलन भी बनाए रखना चाहते हैं। हमारे सभी तीनों स्पिनर बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। वाशी (वॉशिंगटन सुंदर) बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। तो बस अब यह तय करना है कि हम कौन सा संयोजन चुनें।श

दो स्पिनर और तीन तेज गेंदबाज इस रणनीति से खेल सकते हैं

जब भारत ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था तो नीतीश ने शानदार बल्लेबाजी की थी। तब उन्हें नंबर चार पर भेजने की बात कही गई थी। हालांकि, नंबर चार को शुभमन गिल अपना बना चुके हैं। नंबर तीन पर साई सुदर्शन और नंबर छह पर करुण नायर का प्रदर्शन खराब रहा था। ऐसे में टीम मैनेजमेंट इन दोनों में से किसी एक बैठाकर नीतीश को प्रमोट करने पर भी विचार कर सकता है। इससे भारत एक अतिरिक्त गेंदबाज खिला सकेगा। इस स्थिति में सुदर्शन और करुण में जो खेलेगे, उसे नंबर तीन पर भेजा जा सकता है और फिर नंबर छह पर नीतीश उतर सकेंगे। इस लाइन अप के साथ भारत तीन तेज गेंदबाज और दो स्पिनरों के संयोजन के सात मैदान पर उतर सकता है। फिर जडेजा, सुंदर और कुलदीप में से कोई दो स्पिनर खेलते दिख सकते हैं और तीन तेज गेंदबाज भी खेल सकते हैं। भारतीय टीम मैनेजमेंट के सामने काफी माथापच्ची है और कई सवालों के हल ढूंढने हैं, लेकिन यह तो तय है कि भारत को वापसी करनी होगी। एक और हार से टीम इंडिया पर सीरीज गंवाने का खतरा मंडराने लगेगा।

भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट मैच के आंकड़े

एजबेस्टन में भारत–इंग्लैंड के बीच आठ टेस्ट खेले गए हैं और इनमें से सात का नतीजा किसी टीम के पक्ष में गया है। आठ में से सात मैच इंग्लैंड ने जीते हैं, जबकि एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। अगर टीम इंडिया जीत हासिल करती है तो शुभमन गिल इस मैदान पर कोई टेस्ट जीतने वाले पहले भारतीय कप्तान बन सकते हैं। एजबेस्टन में तेज गेंदबाजों ने 1185 विकेट लिए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 59.2 का और औसत 29.86 का रहा है। स्पिनरों ने यहां 424 विकेट लिए हैं। स्पिनरों का स्ट्राइक रेट 74.3 का और औसत 32.65 का रहा है।

दोनों टीमें–

भारत की संभावित प्लेइंग–11: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन/करुण नायर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा/वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह/आकाश दीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

इंग्लैंड की घोषित प्लेइंग–11: जैक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, ब्राइडन कार्स, जोश टंग, शोएब बशीर।

भारत के बांग्लादेश दौरे पर मंडरा रहा संकट

अगले महीने 17 अगस्त से भारत और बांग्लादेश के बीच 3 वनडे और 3 टी20 सीरीज के तहत मुकाबले खेले जाएंगे। इन सीरीज के लिए भारतीय टीम को बांग्लादेश का दौरा करना है। लेकिन अभी तक इस सीरीज पर फिलहाल सस्पेंस बना हुआ है। मौजूदा हालात को देखते हुए दोनों देशों के बीच मौजूदा राजनीतिक हालात के कारण दौरे को लेकर संदेह बरकरार है। इस बीच बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बड़ा बयान दिया है और इस पूरे मामले में स्थिति साफ करने की कोशिश की है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने सोमवार को मीडिया को बताया कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई इस दौरे को लेकर अपनी सरकार की मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहा है। उन्होंने ये भी स्पष्ट किया है कि दोनों बोर्ड के बीच इस सीरीज को लेकर बातचीत चल रही है और दोनों ही बोर्ड सरकार के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। अमीनुल इस्लाम ने कहा कि हमारी बीसीसीआई के साथ अच्छी बातचीत चल रही है।

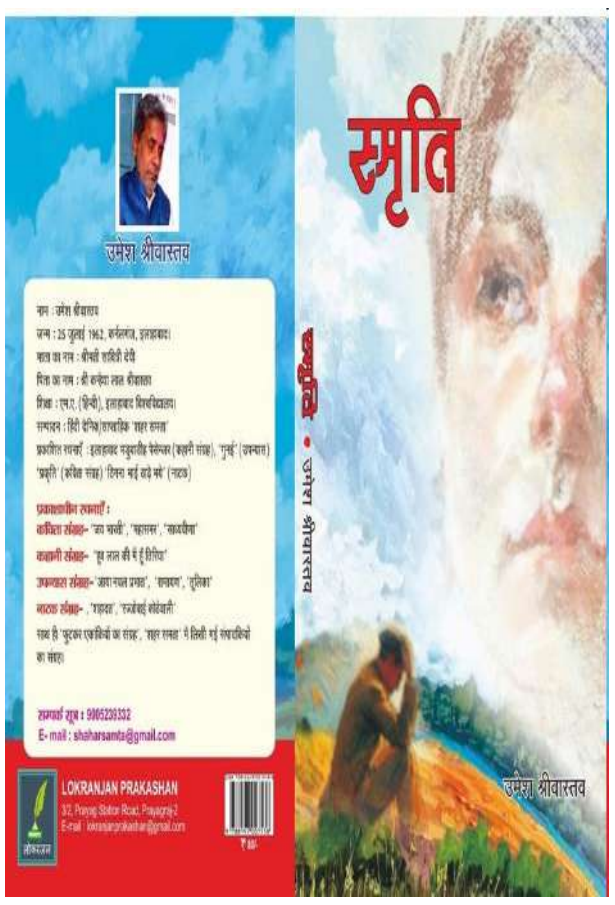

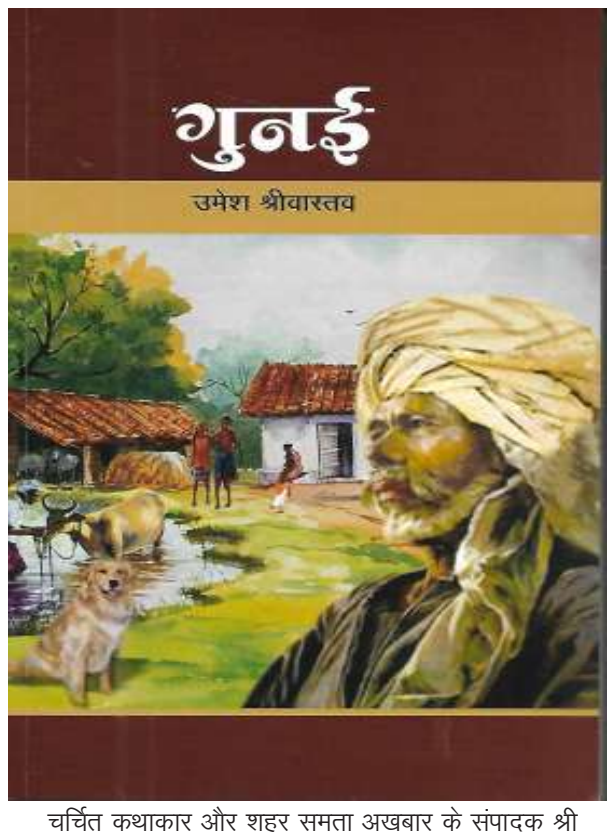

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

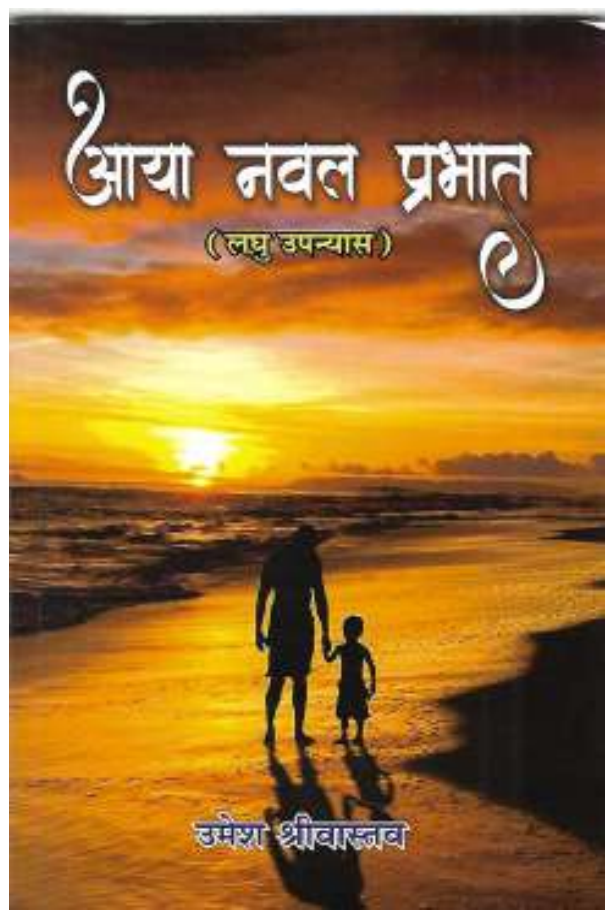

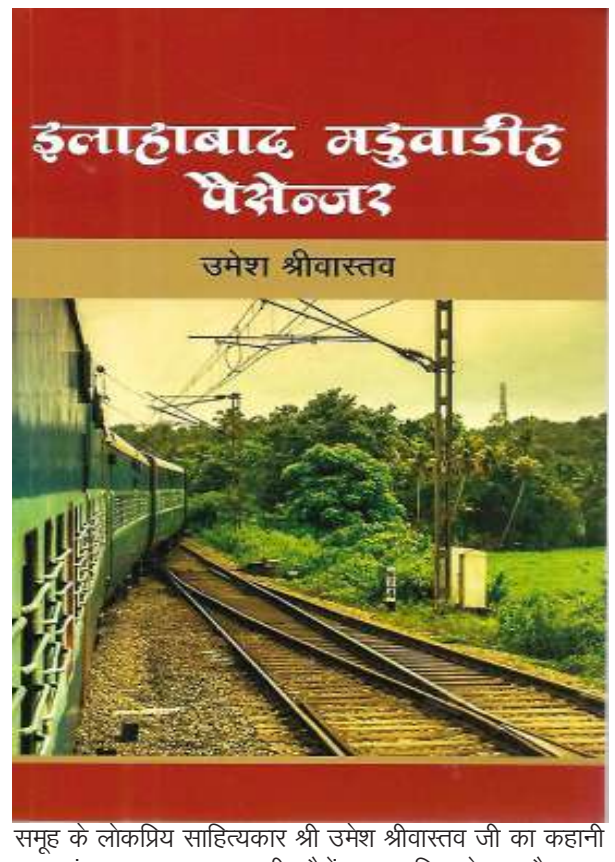

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

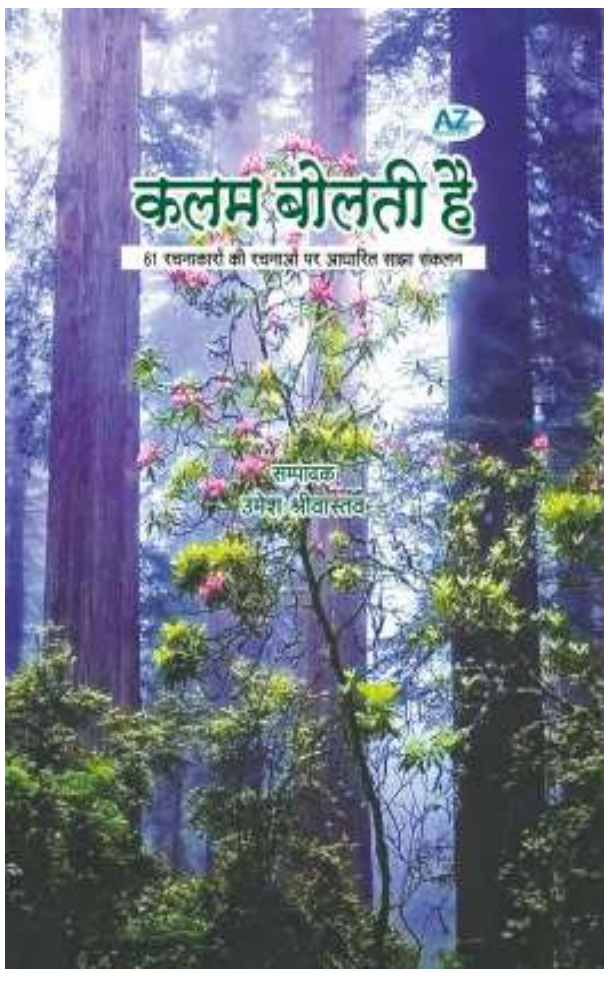

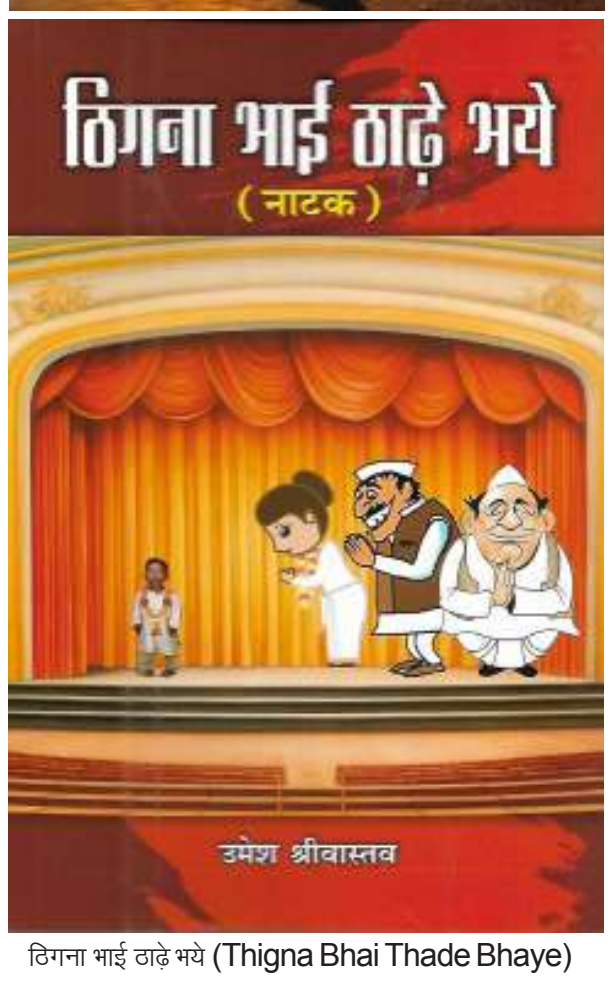

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

एलन मस्क को दक्षिण अफ्रीका डिपोर्ट करेंगे ट्रंप? कर दिया साफ– सब धंधा बंद करके वापस जाना होगा

अमेरका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला के चीफ एलन मस्क एक बार फिर आसने सामने हैं। अमेरिका के बिग एंड ब्यूटीफुल बिल को लेकर दोनों आमने सामने हैं और इस बिल को एलन मस्क ने पागलपन बताया है। मस्क ने कहा कि ये अमेरिका के लिए विनाशकारी साबित होगा। 940 पन्नों वाला ये बिल ट्रैक्स और खर्च से जुड़ा है। जिसमें टैक्स कटौती और सैन्य खर्चों में इजाफे का प्रावधान है। अमेरिकी सीनेट ने इसे चर्चा के लिए मंजूरी दी है। अब इस पर 4 जुलाई तक चर्चा होगी और फिर ये पास भी हो

सकता है। इस बिल को लेकर एलन मस्क शुरू से ही मुखर रहे हैं। उन्होंने ये भी कहा कि इस बिल से अनिश्चितता आ सकती है व गरीबों पर बोझ पड़ सकता है। टैक्स बिल को लेकर विवाद के बीच ट्रंप का बड़ा बयान सामने आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि एलन मस्क को इतिहास में किसी भी इंसान से ज़्यादा सब्सिडी मिली है और इसके बिना, उन्हें अपनी दुकान बंद करके दक्षिण अफ़्रीका वापस जाना पड़ सकता है। ट्रंप ने यह भी सुझाव दिया कि टेस्ला के सीईओ के नेतृत्व वाले लागत–कटौती विभाग क्व्ळम् को मस्क की सरकारी सब्सिडी और अनुबंधों पर नज़र रखनी चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह तीखा पोस्ट ऐसे समय में आया है जब मस्क ने ट्रंप के शबिग, ब्यूटीफुल बिलश की फिर से आलोचना की और वादा किया कि अगर यह बिल पास हो गया तो वे एक नया राजनीतिक संगठन शुरू करेंगे। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, ष्इतिहास में किसी भी व्यक्ति की तुलना में एलन को अब तक सबसे अधिक सब्सिडी मिली। सब्सिडी के बिना, एलन को शायद अपनी दुकान बंद करनी पड़ेगी और दक्षिण अफ्रीका वापस लौटना पड़ेगा। ट्रंप ने अपने सोशल पोस्ट में कहा कि अब रॉकेट लॉन्च, सैटेलाइट या इलेक्ट्रिक कार का उत्पादन नहीं होगा, और हमारा देश बहुत सारा पैसा बचा लेगा। शायद हमें क्व्ळम् से इस पर अच्छी तरह से विचार करवाना चाहिए? बहुत सारा पैसा बचाया जा सकता है। ट्रंप और मस्क के बीच विवाद के केंद्र में यह चिंता है कि यह बिल इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लोकप्रिय +7,500 उपभोक्ता कर क्रेडिट को समाप्त कर देगा। इससे ईवी अधिक महंगे हो जाएंगे – एक ऐसा तथ्य जिसने टेस्ला के सीईओ को नाराज कर दिया है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने हमेशा इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अनिवार्यता का विरोध किया है, जो जो बिडेन–युग की नीति है।

इजराइली सेना ने अचानक गाजा के कैफे पर किया हमला, खाना खाने जा रहे लोगों पर गोलीबारी, 67 लोगों की मौत

गाजा में इजरायली हमलों में कम से कम 67 लोग मारे गए। यह पिछले कुछ हफ्तों में सबसे भीषण हमलों में से एक है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नए युद्धविराम की पहल के लिए इजरायली अधिकारी वाशिंगटन पहुंचने वाले थे। वाशिंगटन स्थित सूत्र ने बताया कि डेर्मर के मंगलवार को ट्रम्प प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक शुरू करने की उम्मीद है।

इजराइली सेना ने गाजा में कम से कम 67 लोगों को मार डाला

इजराइली सेना ने गाजा में कम से कम 67 लोगों को मार डाला। हवाई हमलों में समुद्र के किनारे स्थित एक कैफे में 30 लोग मारे गए और भोजन मांग रहे फलस्तीनी लोगों पर की गई गोलीबारी में 22 अन्य लोगों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों, अस्पताल और स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गाजा शहर के अल–बका कैफे पर उस समय हवाई हमला हुआ, जब वहां महिलाओं और बच्चों की भीड़ थी।

बिना चेतावनी अचानक एक युद्धक विमान ने उस जगह पर हमला किया

कैफे के अंदर मौजूद अली अबू अतीला ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''बिना किसी चेतावनी के, अचानक एक युद्धक विमान ने उस जगह पर हमला किया, जिससे वहां भूकंप जैसा कंपन हुआ।'' उत्तरी गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय की आपातकालीन और एम्बुलेंस सेवा के प्रमुख फारेस अवाद ने बताया कि कम से कम 30 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। अवाद ने बताया कि घायलों में से कई की हालत गंभीर है। शिफा अस्पताल के अनुसार, गाजा शहर की एक सड़क पर हुए दो अन्य हमलों में 15 लोग मारे गए। यह कैफे, 20 महीने के युद्ध के दौरान चालू रहने वाले कुछ व्यवसायों में से एक था।

यह इंटरनेट एक्सेस और अपने फोन चार्ज करने की जगह चाहने वाले निवासियों के लिए एक सभा स्थल था। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में ज़मीन पर खून से लथपथ औरक्षत विक्षत शव दिखाई दे रहे थे और घायलों को कंबलों में ले जाया जा रहा था।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

सार्क की जगह नया संगठन बनाने की तैयारी कर रहे चीन और पाकिस्तान, दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय राजनीति नए मोड़ पर

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन एक समय क्षेत्रीय एकता और आर्थिक सहयोग का प्रतीक माना जाता था। परंतु भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते दक्षेस पिछले कुछ वर्षों से निष्क्रिय हो गया है। ऐसे में पाकिस्तान और चीन एक नए क्षेत्रीय समूह की स्थापना पर कार्य कर रहे हैं, जो दक्षिण एशिया और पड़ोसी क्षेत्रों में भू–राजनीतिक समीकरणों को नया रूप दे सकता है। हम आपको बता दें कि 1985 में स्थापित इस संगठन में आठ सदस्य देश शामिल हैं– भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, मालदीव और अफगानिस्तान। हम आपको बता दें कि 2016 में उरी हमले के बाद भारत ने इस्लामाबाद में प्रस्तावित दक्षेस शिखर सम्मेलन का बहिष्कार कर दिया था, जिसके बाद से कोई भी शिखर सम्मेलन आयोजित नहीं हुआ है। साल 2014 में काठमांडू में हुए शिखर सम्मेलन के बाद से दक्षेस का कोई द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन नहीं हुआ है। दरअसल दक्षेस की नीतियों में आम सहमति की आवश्यकता होती है, परंतु कई मुद्दों पर सदस्य देश एकमत नहीं हो पाते, जिससे निर्णय प्रक्रिया धीमी हो जाती है। भारत ने दक्षेस की निष्क्रियता के बीच BIMSTEC (बंगाल की खाड़ी बहु–क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल) को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है, जिसमें पाकिस्तान सदस्य नहीं है। वहीं, चीन दक्षिण एशिया में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (CPEC) जैसी परियोजनाओं के माध्यम से पहले से ही सक्रिय है। अब वह दक्षिण एशिया और मध्य एशिया के कुछ देशों को मिलाकर एक वैकल्पिक क्षेत्रीय संगठन की संभावना पर काम कर रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक, पाकिस्तान चाहता है कि ऐसा कोई मंच हो जहां भारत का प्रभाव सीमित हो और उसे चीन जैसे शक्तिशाली साझेदार का समर्थन प्राप्त हो। यह मंच दक्षेस के समान ही व्यापार, संपर्क और रणनीतिक सहयोग पर केंद्रित होगा, लेकिन इसमें भारत की अनुपस्थिति या सीमित भूमिका होगी। बताया जा रहा है कि चीन और पाकिस्तान के इस नए मंच में अफगानिस्तान, ईरान, मध्य एशिया के कुछ देश (जैसे ताजिकिस्तान, उज़्बेकिस्तान) और संभवतः श्रीलंका और नेपाल जैसे दक्षिण एशियाई देश शामिल हो सकते हैं, जो चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (ठत्प्) में पहले से भागीदार हैं। दूसरी ओर, भारत इस नए मंच को रणनीतिक चुनौती के रूप में देख सकता है, विशेष रूप से यदि दक्षिण एशियाई देशों का रुझान चीन की ओर बढ़ता है। भारत ने ठप्डैज्म्ब्, क्वाड (फन्।क) और इंडो–पैसिफिक फ्रेमवर्क जैसे मंचों के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग को नया आयाम देने की कोशिश की है। मगर इस नई पहल को संतुलित करने के लिए भारत को अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को और मजबूत करने की आवश्यकता होगी। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान के 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने लिखा है कि इस्लामाबाद और बीजिंग के बीच बातचीत अब आगे के चरण में है, क्योंकि दोनों पक्ष इस बात से आश्वस्त हैं कि क्षेत्रीय एकीकरण और संपर्क के लिए एक नया संगठन आवश्यक है। सूत्रों का हवाला देते हुए अखबार ने कहा है कि यह नया संगठन संभावित रूप से क्षेत्रीय संगठन दक्षेस की जगह ले सकता है। उन्होंने कहा कि चीन के कुनमिंग में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की हाल में हुई त्रिपक्षीय बैठक इन कूटनीतिक प्रयासों का ही हिस्सा थी। सूत्रों के अनुसार, इसका लक्ष्य अन्य दक्षिण एशियाई देशों को, जो दक्षेस (सार्क) का हिस्सा थे, उनको नए समूह में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना है। हालांकि, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका, बीजिंग और इस्लामाबाद के बीच किसी भी उभरते गठबंधन के विचार को खारिज कर दिया और कहा कि बैठक 'राजनीतिक' नहीं थी। विदेश मामलों के सलाहकार एम तौहीद हुसैन ने कहा, ''हम कोई गठबंधन नहीं बना रहे हैं।'' अखबार ने कहा कि नए संगठन का मुख्य उद्देश्य व्यापार और संपर्क बढ़ाकर अधिक क्षेत्रीय जुड़ाव की संभावना तलाशना है। इसमें कहा गया है कि यदि प्रस्ताव को मूर्त रूप दिया जाता है, तो यह दक्षेस की जगह लेगा, जिसे भारत–पाकिस्तान संघर्ष के कारण लंबे समय से निलंबित कर दिया गया है। बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि दक्षेस की निष्क्रियता से पैदा हुए भू–राजनीतिक शून्य को भरने के लिए चीन और पाकिस्तान जो कुछ कर रहे हैं वह दरअसल क्षेत्रीय प्रभाव और रणनीतिक संतुलन बनाने का प्रयास है। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि यह नया समूह दक्षेस का विकल्प बन पाएगा या नहीं, परंतु इतना निश्चित है कि दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय राजनीति एक नए मोड़ पर पहुंच चुकी है।

पाकिस्तान ने सिंधु जल समझौता बहाल करने के लिए लगाई गुहार

भारत ने फिर स्पष्ट किया- हमारा रुख नहीं बदलेगा

पाकिस्तान ने भारत से सिंधु जल संधि को बहाल करने का आग्रह किया है जिसे नयी दिल्ली ने पहलगाम आतंकवादी हमले के एक दिन बाद स्थगित करने की घोषणा कर दी थी। पाकिस्तान ने कहा कि हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय का हालिया फैसला दिखाता है कि समझौता अब भी ''वैध और क्रियाशील'' है। हम आपको बता दें कि सिंधु जल संधि के प्रावधानों के तहत दो पनबिजली परियोजनाओं की डिजाइन के कुछ पहलुओं पर पाकिस्तान द्वारा आपत्ति उठाए जाने के बाद स्थायी मध्यस्थता न्यायालय में कार्यवाही चली जिसे भारत ने कभी मान्यता नहीं दी। भारत ने शुक्रवार को इस फैसले को दृढ़ता से खारिज करते हुए कहा था कि उसने पाकिस्तान के साथ विवाद समाधान के तथाकथित ढांचे को कभी मान्यता नहीं दी है। इसके बाद पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि 27 जून को मध्यस्थता न्यायालय द्वारा सुनाए गए पूरक निर्णय ''पाकिस्तान की इस स्थिति की पुष्टि करता है कि सिंधु जल संधि वैध और क्रियाशील है, तथा भारत को इसके बारे में एकतरफा कार्रवाई करने का कोई अधिकार नहीं है।'' पाकिस्तान के बयान में कहा गया, ''हम भारत से आग्रह करते हैं कि वह सिंधु जल संधि के सामान्य कामकाज को तुरंत बहाल करे तथा संधि के अपने दायित्वों को पूरी तरह और ईमानदारी से पूरा करे।'' वहीं पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार ने एक अलग बयान में कहा कि मध्यस्थता अदालत के फैसले से यह पुष्टि हो गई है कि सिंधु जल संधि पूरी तरह वैध है। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पाकिस्तान किशनगंगा–रातले मामले में अपने अधिकार क्षेत्र की पुष्टि करने वाले मध्यस्थता न्यायालय के पूरक निर्णय का स्वागत करता है। यह निर्णय पुष्टि करता है कि सिंधु जल संधि पूरी तरह से वैध है। भारत इसे एकतरफा रूप से स्थगित नहीं रख सकता। देशों को अंतरराष्ट्रीय समझौतों के पालन से मापा जाता है। सिंधु जल संधि को अक्षरशः और भावना, दोनों रूप से बरकरार रखा जाना चाहिए। हम आपको यह भी बता दें कि अभी पिछले सप्ताह ही भारत के जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा था कि सिंधु जल संधि के निलंबन को रद्द करने के लिए पाकिस्तान का पत्र लिखना एक औपचारिकता भर है और इससे इस मामले में भारत का रुख नहीं बदलने वाला है। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान ने भारत को कई बार पत्र लिखकर संधि पर अपने फैसले की समीक्षा करने को कहा है। सीआर पाटिल ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था कि सिंधु जल संधि के तहत मिलने वाला पानी कहीं नहीं जाएगा। संधि पर पाकिस्तानी नेता बिलावल भुट्टो की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर पाटिल ने कहा था कि बिलावल भुट्टो ने राजनीतिक कारणों से कई बातें कही हैं। हम आपको याद दिला दें कि पाकिस्तानी नेता ने सिंधु जल संधि को निलंबित किये जाने को लेकर हाल में भारत को धमकी दी थी। इस पर पूछे जाने पर पाटिल ने कहा, ''उन्होंने खून और पानी बहने की बात भी कही, लेकिन हम ऐसी खोखली धमकियों से नहीं डरते।'' हम आपको याद दिला दें कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया गया था। हम आपको यह भी बता दें कि भारत सरकार लंबे समय से रुकी हुई तुलबुल परियोजना को फिर से शुरू करने की योजना पर आगे बढ़ रही है और यह सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के तहत पश्चिमी नदियों से देश के हिस्से के पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। तुलबुल परियोजना के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है और इसके पूरा होने में लगभग एक वर्ष का समय लगने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि परियोजना को फिर से पटरी पर लाने के लिए चर्चा अग्रिम चरण में है। हम आपको बता दें कि सिंधु जल संधि के तहत भारत के पास सिंधु, चिनाब और झेलम पर सीमित अधिकार हैं, जो मुख्य रूप से पाकिस्तान में बहती हैं। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि इन नदियों से भारत के हिस्से के पानी के उपयोग को बढ़ाने के लिए कई प्रस्ताव विचाराधीन हैं। एक अधिकारी ने कहा, ''पश्चिमी नदियों में से एक का पानी पंजाब और हरियाणा की ओर ले जाने की संभावना है, जो तकनीकी रूप से संभव है।'' हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि सिंधु नदी के पानी के लिए ऐसा करने पर विचार नहीं किया जा रहा है। इस बीच, किशनगंगा जलविद्युत परियोजना, जिस पर कभी पाकिस्तान ने आपत्ति जताई थी, पहले ही पूरी हो चुकी है। रतले परियोजना के निर्माण में भी तेजी लाई गई है।

8000 km की रेंज, चीन के कोने–कोने पहुंच, भारत ने बनाया ब्रह्मोस का बाप

जिस तरह से ईरान ने इजरायल पर हमला किया है। उसने कई देशों को हैरान कर दिया है। ईरान के इजरायल पर 90 प्रतिशत हमले बैलेस्टिक मिसाइल से जबकि 10 प्रतिशत ड्रोन से किया था। ईरान ने अपनी एयर फोर्स का इस्तेमाल तक नहीं किया। ईरान ने बैठे बैठे बैलेस्टिक मिसाइलों के जरिए इजरायल में भयंकर तबाही मचा दी। भारत की तरफ से के–6 हाइपरसोनिक मिसाइल का परमाणु सबमरीन से परीक्षण की तैयारी हो रही है। भारत के के–6 हाइपरसोनिक मिसाइल के समुद्री परीक्षण के लिए तैयारी तेज कर दी गई है।

भारत अब जंग की बड़ी तैयारी में जुट गया है। भारत ने हमला करने और आत्मरक्षा के लिए एक खतरनाक प्लान तैयार कर लिया है। खबर है कि भारत रूस से एस 400 की कुछ और यूनिट मंगवा रहा है। इसके अलावा भारत अब कुछ समय में ब्रह्मोस से भी खतरनाक मिसाइल दागने की तैयारी कर चुका है। भारत जो मिसाइल दागने जा रहा है वोइतनी खतरनाक है कि भारत मिसाइलों की दुनिया का राजा बन सकता है। दरअसल, ईरान और इजरायल की जंग ने भारत को भी एक अंदाजा दे दिया कि अगर चीन खुद या पाकिस्तान के जरिए हमला करता है तो किस रणनीति पर काम करना होगा। भारत अब मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम और खतरनाक बैलेस्टिक मिसाइलों पर दांव खेल रहा है।

जिस तरह से ईरान ने इजरायल पर हमला किया है। उसने कई देशों को हैरान कर दिया है। ईरान के इजरायल पर 90 प्रतिशत हमले बैलेस्टिक मिसाइल से जबकि 10 प्रतिशत ड्रोन से किया था। ईरान ने अपनी एयर फोर्स का इस्तेमाल तक नहीं किया। ईरान ने बैठे बैठे बैलेस्टिक मिसाइलों के जरिए इजरायल में भयंकर तबाही मचा दी। भारत की तरफ से के–6 हाइपरसोनिक मिसाइल का परमाणु सबमरीन से परीक्षण की तैयारी हो रही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बार्सिलोना में टूटा 100 साल पुराना रिकॉर्ड, हीटवेव की चपेट में आया यूरोप

पेरिस। यूरोप इस समय जबरदस्त हीटवेव से जूझ रहा है। स्पेन के बार्सिलोना में जून महीने में अब तक का सबसे ज्यादा तापमान दर्ज किया गया है। बार्सिलोना आमतौर पर भीषण गर्मी से बचा रहता है. हालांकि इस बार रिकॉर्ड तोड़ गर्मी की चपेट में आ गया। यूरोप के कई देशों में भीषण गर्मी के चलते स्कूल बंद हो रहे हैं और लोगों को सावधानी बरतने के लिए कहा जा रहा है। स्पेन की राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, बार्सिलोना में जून 2025 अब तक का सबसे गर्म जून साबित हुआ है। कैन फाबरा वेधशाला में इस बार औसत तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले 100 वर्षों में सबसे अधिक है। इससे पहले जून 2003 में 25.6 डिग्री सेल्सियस औसत तापमान था। 30 जून को बार्सिलोना में एक दिन का तापमान 37.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

फ्रांस सहित पूरे यूरोप में भी भीषण गर्मी का असर दिख रहा है। फ्रांस के मौसम विभाग ने पेरिस समेत कई इलाकों में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। पेरिस में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। भीषण गर्मी के कारण फ्रांस में 1,300 से ज्यादा स्कूल आंशिक या पूरी तरह से बंद कर दिए गए हैं। गर्मी की वजह से एफिल टावर का ऊपरी हिस्सा भी गुरुवार तक बंद कर दिया गया है। इटली के 27 बड़े शहरों में से 17 शहरों में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। बेल्जियम और नीदरलैंड्स में भी तापमान सामान्य से काफी ज्यादा बना हुआ है। वहीं पुर्तगाल में कुछ इलाकों में तापमान थोड़ा कम हुआ है लेकिन आंतरिक हिस्सों में अब भी 43 डिग्री तक गर्मी दर्ज की जा रही है।